हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 08 ■ नई दिल्ली 05 से 11 दिसम्बर 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

रजनीकांत स्टारर जेलर 2 में कैमियो कर सकते हैं शाहरुख

कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

भाजपा बोली कांग्रेस ने चुनाव सुधारों पर कभी नहीं दिया ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में गुरुवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने जहां कांग्रेस पर चुनाव सुधारों पर कभी ध्यान नहीं देने तथा चुनाव आयोग को सुविधानुसार अच्छा बुरा बताने का आरोप लगाया वहीं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार पर चुनाव आयोग सहित संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग तथा उन्हें कमजोर करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस के अजय माकन ने राज्यसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा की शुरूआत करते हुए जीवंत लोकतंत्र के लिए समान अवसर, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि 2004 में भाजपा के बैंक खाते में 88 करोड़ रुपए थे और कांग्रेस के खाते में 38 करोड़ रुपए थे। वर्ष 2009 में भाजपा के खाते में 150 तो कांग्रेस के खाते में 221 करोड़ रुपये थे। वर्ष 2024 में भाजपा के खाते में 10 हजार 107 करोड़ रुपये हो गये तो कांग्रेस के खाते सीज कर दिये गये।

उन्होंने कहा कि पारदर्शिता की बात करें तो हरियाणा में चुनाव में वोटिंग प्रतिशत के आंकड़े बदलते रहे। जब सीसीटीवी फुटेज की मांग की गयी तो सरकार ने दस दिन के अंदर नियम बदल दिया और कहा कि 45 दिन के बाद फुटेज नहीं दिया जा सकता।

विश्वसनीयता के मामले में उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसे अपनी विश्वसनीयता बहाल करनी होगी। उन्होंने कहा," अगर अंपायर ही एक टीम की जर्सी पहन लेगा तो दूसरी टीम क्या करेगी? अंपायर ही अगर मैच फिक्स कर लेगा तो खिलाड़ी क्या करेगा? "

श्री माकन ने कहा कि सरकार ने कानून बदलकर चुनाव आयुक्तों को पूरी तरह से संरक्षण दे दिया है और वे कितना भी पक्षपात करें, कोई उनके ऊपर उंगली नहीं उठा सकता। उन पर कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकती।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आचार संहिता केवल विपक्ष पर लागू की जाती है सत्ता पक्ष पर नहीं। इस मामले में उन्होंने हिमाचल प्रदेश और विधानसभा चुनावों का हवाला दिया। उन्होंने कहा ," विपक्ष करे तो 'रेवड़ी' और आचार संहिता का उल्लंघन, मगर पक्ष करे तो 'जनकल्याण' ये दोहरा मापदंड नहीं चलेगा।

भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने भारत को लोकतंत्र की जननी करार देते हुए कहा कि समूचे पूर्वी गोलार्द्ध में अकेला भारत ही लोकतंत्र का मजबूत आधार स्तंभ है। उन्होंने कांग्रेस पर अपने शासनकाल में चुनाव सुधारों की ओर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस देश में चुनावी धांधली की सबसे पहली याचिका 21 अप्रैल 1952 में स्वयं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने दायर की थी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की चुनावी जीत का मामला भी अदालत में पहुंच गया लेकिन कांग्रेस ने कभी चुनाव सुधारों पर बात नहीं की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब जब चुनाव जीतती है तो वह चुनाव आयोग पर कोई सवाल नहीं करती लेकिन चुनाव हारने पर चुनाव आयोग को सवालों के घेरे में खड़ा कर देती है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि देश में कम्प्यूटर युग की शुरूआत करने का दावा करने वाली कांग्रेस अब क्वांटम युग में आते आते पर्ची से चुनाव कराने पर जोर दे रही है। कांग्रेस द्वारा मतदान केन्द्रों की सीसीटीवी फुटेज मांगे जाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सीसीटीवी का इस्तेमाल वर्ष 2005 में शुरू हुआ था और इसके बाद से राजद और कांग्रेस को बिहार में अकेले बहुमत नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम केवल बवाल खड़ा करना है और उसे कानूनी प्रक्रिया से कुछ लेना देना नहीं। प्रक्रिया के अनुसार उसे 45 दिन में शिकायत कर फुटेज मांगनी चाहिए। कांग्रेस के वोट चोरी के आरोप पर साल दर साल चुनावों में कांग्रेस के वोट कम होने के आंकड़े देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास वोट ही नहीं है तो चोरी किस चीज की होगी।

उन्होंने कहा कि वोट कम होने के बाद अब कांग्रेस ने ईवीएम में गड़बड़ी का मुद्दा छोड़ दिया है और वोट चोरी का मुद्दा उठा लिया है। उन्होंने कांग्रेस के अध्यक्ष पद के आतंरिक चुनावों में अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए उसे कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि वोट चोरी की बात करने वाली कांग्रेस इस बात को भूल जाती है कि 1946 में पार्टी के आंतरिक चुनाव में पंडित जवाहर लाल नेहरू जीरो वोट पाने के बावजूद जीत गये।

श्री त्रिवेदी ने कहा कि 1916 में पृथक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए समझौता करने वाली कांग्रेस अब घुसपैठियों के लिए प्रथक निर्वाचन क्षेत्र बनाने की कोशिश में लगी है।

धर्मेंद्र को अमित शाह, जेपी नड्डा समेत कई दिग्गजों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता और पूर्व भाजपा सांसद धर्मेंद्र के निधन के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में उनकी याद में भव्य शांति सभा आयोजित की गई। इस सभा में राजनीतिक, फिल्मी और सामाजिक जगत के कई प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे और उन्होंने धर्मेंद्र के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल सहित अनेक दिग्गज हस्तियों ने धर्मेंद्र के योगदान को याद किया। कार्यक्रम की शुरूआत धर्मेंद्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। सभी उपस्थित नेताओं ने उनके फिल्मी योगदान के साथ-साथ राजनीतिक जीवन और जनता से उनके जुड़ाव को भी याद किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें "भारतीय फिल्म जगत का अमर सितारा" बताते हुए कहा कि उनकी सादगी, विनम्रता और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

धर्मेंद्र की पत्नी, अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी ने भी दिल्ली में प्रेयर मीट आयोजित किया। यह कार्यक्रम जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में शाम चार बजे शुरू हुआ। इससे पूर्व हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के लिए अपने मुंबई स्थित निवास में गीता पाठ करवा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। इस अवसर पर धर्मेंद्र की बेटियां ईशा देओल और अहाना देओल तथा दामाद वैभव वोहरा भी मौजूद थे। ईशा के पूर्व पति, व्यवसायी भारत तख्तानी ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रेयर मीट के दौरान हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र को याद करते हुए कहा कि वे सिर्फ एक महान अभिनेता ही नहीं, बल्कि उनके जीवन साथी और परिवार के लिए समर्पित पति और पिता भी थे। उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र ने अपनी बेटियों के जीवन में हमेशा मार्गदर्शन और स्नेह दिया और अपने पांचों नाती-नातिनों के लिए वे स्नेही नानू बने।

अभिनेत्री कंगना रनोट ने धर्मेंद्र को याद करते हुए कहा कि वे केवल एक महान अभिनेता नहीं थे, बल्कि जमीन से जुड़े हुए इंसान थे। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र की सादगी और व्यक्तित्व ने कई लोगों को प्रेरित किया और उनका जाना फिल्म और समाज जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल ने 27 नवंबर को मुंबई के बांद्रा स्थित ताज लैंड्स एंड होटल में सेलिब्रेशन ऑफ लाइफ के नाम से एक प्रेयर मीट आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में अभिनेता का परिवार, दोस्त और बॉलीवुड के कई सेलेब्स उपस्थित थे।

कार्यक्रम की सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर को 89 वर्ष की

उत्तर प्रदेश सहित छह राज्यों, केंद्र शासित क्षेत्रों में एसआईआर की तिथियां दोबारा बढ़ायी गयीं

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और तमिलनाडु तथा केंद्र शासित अंडमान निकोबार की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यक्रम में गुरुवार को संशोधन की घोषणा की।

आयोग ने इन पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार के मुख्य चुनाव अधिकारियों के अनुरोध पर वहाँ मतगणना प्रपत्र जमा कराने और संशोधित मतदाता सूची के मसौदों के प्रकाशन की तिथियां बढ़ा दी हैं।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, उत्तर प्रदेश में मतगणना प्रपत्र जमा करने की तिथि 11 दिसंबर से बढ़ाकर 26 दिसंबर कर दी गयी है और राज्य की संशोधित मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

इसी तरह मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ और केंद्र शासित अंडमान में मतगणना प्रपत्र जमा कराने की तिथि 18 दिसंबर और संशोधित मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन की तिथि 23 दिसंबर कर दी गयी है। गुजरात और तमिलनाडु में मतगणना प्रपत्र को जमा करने की अंतिम तारीख 14 दिसंबर कर दी गयी है और इन दोनों राज्यों की संशोधित सूची का मसौदा 19 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

इससे पहले के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, इन सभी जगहों पर मतगणना प्रपत्र जमा करने की तिथि आज ही समाप्त हो रही थी, जबकि इनमें संशोधित सूची का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था। आयोग ने इससे पहले केरल में मतगणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि संशोधित कर 18 दिसंबर कर दी थी और वहां संशोधित सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था।

आयोग ने कहा है कि यह फैसला यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि नई सूची में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं छुटे। आयोग ने यह भी कहा है कि नये मतदाताओं को सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 और घोषणा पत्र भरने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्हें आयोग की वेबसाइट और ऐप के माध्यम से अपना फॉर्म और घोषणा पत्र जमा कराने की सुविधा भी है।

उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए आयोग ने 27 अक्टूबर को आदेश जारी किया था। इसके अलावा, असम की सूची की भी विशेष संक्षिप्त समीक्षा करने का काम चल रहा है। इन संशोधित सूचियों की संदर्भ की तिथि एक जनवरी 2026 रखी गयी है।

वंदे मातरम मां भारती की साधना, सेवा और आराधना : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। वंदे मातरम पर राज्यसभा में जारी विशेष चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सदन में विस्तृत जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में 80 से अधिक सांसदों ने अपने विचार रखे हैं, जो यह दशार्ता है कि यह विषय आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक है।

नड्डा ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी, जिसने स्वतंत्रता संग्राम नहीं देखा और केवल किताबों में इतिहास पढ़ा है, इस चर्चा से वंदे मातरम की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक यात्रा को गहराई से समझेगी।

उन्होंने कहा, वंदे मातरम एक गीत भर नहीं, बल्कि एक मंत्र, एक ऊर्जा, एक प्रण और मां भारती की साधना का प्रतीक है। स्वतंत्रता आंदोलन की अनगिनत घटनाओं में वंदे मातरम ने लोगों को प्रेरित और संगठित किया था।

नड्डा ने वीर सावरकर का उल्लेख करते हुए कहा कि जब सावरकर ने वंदे मातरम पर लिखा, तो ब्रिटिश सरकार ने उन्हें दंडित किया। चार्जशीट में कहा गया कि यह लेख राजद्रोही है और इसी आधार पर उन्हें काला पानी भेजा गया। इससे स्पष्ट होता है कि अंग्रेज वंदे मातरम की शक्ति और प्रभाव से डरते थे।

उन्होंने कांग्रेस नेता जयराम रमेश के उस आरोप पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह बहस जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करने के लिए है। नड्डा ने कहा, हमारा उद्देश्य नेहरू को बदनाम करना नहीं है, बल्कि भारत के इतिहास को दर्ज करना है। जब भी कोई घटना होती है, तब जिम्मेदारी उसी पर होती है जो सत्ता में हो और उस समय देश के जिम्मेदार नेता नेहरू ही थे।

उन्होंने दावा किया कि 1937 में नेहरू ने वंदे मातरम को लेकर अपनी आपत्तियां जताई थीं। एक पत्र का हवाला देते हुए नड्डा ने कहा कि नेहरू ने इसे कठिन शब्दों वाला और आधुनिक राष्ट्रवाद के अनुरूप नहीं बताया।

नड्डा ने आगे कहा कि बंकिम बाबू ने वंदे मातरम उस समय लिखा था जब अंग्रेज भारत की संस्कृति और आत्मसम्मान को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे समय में बंकिम बाबू ने भारत माता को ज्ञान, समृद्धि और शक्ति का स्वरूप बताया। मां सरस्वती, मां लक्ष्मी और मां दुर्गा के रूप में। इस गीत ने देश की चेतना जागृत की।

उन्होंने संविधान सभा में राष्ट्रगान पर हुई चर्चा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय ध्वज पर विस्तृत चर्चा हुई, कमेटी बनी, रिपोर्ट आई। लेकिन राष्ट्रगान पर कितनी चर्चा हुई? क्या इसे गंभीरता से लिया गया?

नड्डा ने जयराम रमेश पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस जब चाहे नेहरू की बात करती है और जब चाहे सुभाष चंद्र बोस या रवींद्रनाथ टैगोर को आगे रख देती है। उन्होंने कहा, ह्लअगर आप श्रेय लेना चाहते हैं, तो देश के कठिन समय की जिम्मेदारी भी आपको ही लेनी होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि 1936-37 में जब नेहरू कांग्रेस अध्यक्ष थे, तब सांप्रदायिक दबाव में वंदे मातरम की उन पंक्तियों को हटाया गया जिसमें भारत माता को हथियारों के साथ मां दुर्गा के रूप में दशार्या गया था।

जेपी नड्डा ने कहा, संविधान सभा में भारत के राष्ट्रगान के चयन के दौरान जो हुआ और वंदे मातरम के प्रति जो उदासीनता और उपेक्षा का भाव रहा, उसके लिए पूरी तरह जवाहरलाल नेहरू ही जिम्मेदार थे। संविधान की तीन प्रतियों पर हस्ताक्षर करने के लिए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा की अंतिम बैठक हुई।

गोवा हादसा: धारदार इंटेलिजेंस और बिना देरी एक्शन की वजह से आरोपी लूथरा भाई पकड़े गए, 24 घंटे में किए जा सकते हैं डिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा के नाइटक्लब में हुए भीषण अग्निकांड में आरोपी गौरव और उसके भाई सौरभ लूथरा को थाईलैंड पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। दो देशों के बीच फैले एक तेज मल्टी-एजेंसी ऑपरेशन में बिर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के दोनों मालिकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। दोनों भाइयों को फुकेट में एक डिटेंशन सेंटर में ले जाया गया है।

दोनों के डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है और अधिकारियों को उम्मीद है कि दोनों को जल्द ही वापस लाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि वे पहले ही थाईलैंड के अधिकारियों के संपर्क में हैं और आरोपियों की वापसी सुनिश्चित करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

दरअसल गोवा के नाइटक्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद लूथरा भाई देश छोड़कर भाग गए थे। इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा उनके जाने की सूचना मिलने के बाद भारत में अधिकारियों ने उन्हें ट्रैक करने में बिल्कुल भी समय बर्बाद नहीं किया। भारतीय अधिकारियों ने तुरंत अपने थाई अधिकारियों को अलर्ट किया।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि ऑपरेशन तेजी से करने की जरूरत थी क्योंकि इस बात का खतरा था कि अगर उन्हें (लूथरा भाइयों) पता चला कि उन्हें ट्रैक किया जा रहा है तो दोनों थाईलैंड छोड़ देंगे। जानकारी मिलने के बाद थाई अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए और पूरे द्वीप में तलाशी अभियान शुरू किया।

गिरफ्तारी पहले हो सकती थी, लेकिन भाइयों ने फुकेट में जगह बदल ली। आखिरकार उन्हें ढूंढ लिया गया और फिर हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि गौरव और सौरभ ने 7 दिसंबर को सुबह 1.17 बजे ह्यमेक माई ट्रिपह्ल के जरिए अपने टिकट बुक किए थे। यह वही समय था जब फायर ब्रिगेड और पुलिस नाइटक्लब में फंसे लोगों को बचाने और आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे। थाईलैंड से भारत लाने के लिए अधिकारी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि डिपोर्टेशन जल्द ही होगा। भारत लौटने के बाद उन्हें आगे की जांच के लिए गोवा पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि डिपोर्टेशन सिर्फ एक दिन में हो सकता है। गोवा पुलिस ने उनके पासपोर्ट सस्पेंड कर दिए थे। फिलहाल, विदेश मंत्रालय गोवा पुलिस के भाइयों के पासपोर्ट रद्द करने के अनुरोध की जांच कर रहा है। इससे पहले बुधवार को नई दिल्ली की एक अदालत ने भाइयों को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा देने से इनकार कर दिया था।

रेलवे देशभर के 5868 स्टेशनों पर दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क व्हीलचेयर उपलब्ध कराता है: वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे देशभर के 5868 स्टेशनों पर दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों निःशुल्क व्हीलचेयर उपलब्ध कराता है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार परिचारक के उपलब्ध होने की स्थिति में पूर्व निर्धारित मामूली दर पर लाइसेंस प्राप्त सहायक (पोर्टर) किराए पर लिए जा सकते हैं। इस संबंध में जानकारी रेलवे स्टेशन परिसर में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित की जाती है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बुजुर्ग, दिव्यांग और बीमार यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए की गयीं अन्य पहलों में कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में वरिष्ठ नागरिकों और 45 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिला यात्रियों को बुकिंग के समय सीट उपलब्ध होने पर बिना किसी विकल्प के भी स्वचालित रूप से निचली सीट आवंटित करने का प्रावधान है।

वहीं, शयनयान श्रेणी में प्रति कोच छह से सात निचली सीट, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (3एसी) में प्रति कोच चार से पांच निचली सीट और वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी (2एसी) में प्रति कोच तीन से चार निचली सीट (रेलगाड़ियों में उस श्रेणी के कोचों की संख्या के आधार पर) का संयुक्त आरक्षण वरिष्ठ नागरिकों, 45 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला यात्रियों और गर्भवती महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा सभी क्षेत्रीय रेलवे के उपनगरीय खंडों पर चलने वाली लोकल रेलगाड़ियों के पूरे समय के दौरान प्रथम और अंतिम द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कम से कम सात सीटें आरक्षित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

श्री वैष्णव ने बताया कि रेलगाड़ियों के प्रस्थान के बाद यदि रेलगाड़ियों में निचली बर्थ खाली हों और दिव्यांग रियायत के तहत बुकिंग कराने वाला कोई दिव्यांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक या गर्भवती महिला, जिसे ऊपरी/मध्य सीट आवंटित की गई हो, वो अगर खाली निचली सीट के आवंटन के लिए संपर्क करे, तो रेलगाड़ियों में मौजूद टिकटों की जांच करने वाले कर्मचारी को चार्ट में आवश्यक प्रविष्टियाँ करते हुए उन्हें खाली निचली सीट आवंटित करने का अधिकार दिया गया है।

उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों के लिए रियायती सुविधाओं की उपलब्धता के बावजूद, राजधानी/शताब्दी जैसी रेलगाड़ियों सहित सभी मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में स्लीपर श्रेणी में चार सीट (दो लोअर और दो मिडिल), 3ई या 3ए श्रेणी में चार सीट (दो लोअर और दो मिडिल), गरीब रथ एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के विशेष रूप से दिव्यांगों के लिए आरक्षित (एसएलआरडी) कोच में चार सीट और उन रेलगाड़ियों में आरक्षित द्वितीय सीटिंग (2एस)/ वातानुकूलित चेयर कार (सीसी) में चार सीटें आरक्षित की गयी हैं, जिनमें इन श्रेणियों के दो से अधिक कोच हैं।

छोटा उदेपुर हॉस्पिटल में फर्जी ट्रस्टियों से गबन

बीजेपी नेता समेत कई पर केस

खत्री मो. तोसिफ सुलेमानभाई

गुजरातः छोटा उदेपुर के ढोकलिया हॉस्पिटल में घोटाला मरे हुए लोगों और विदेशी ट्रस्टियों के नाम पर करोड़ों रुपये का गबन, बीजेपी नेता के खिलाफ केस दर्ज। छोटा उदेपुर के बोडेली ढोकलिया पब्लिक हॉस्पिटल के प्रेसिडेंट, मंत्री और ट्रस्टियों के खिलाफ बोडेली पुलिस स्टेशन में गंभीर धोखाधड़ी और भरोसा तोड़ने का केस दर्ज किया गया है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि हॉस्पिटल के ट्रस्टियों ने मरे हुए लोगों और विदेशी नागरिकों को ट्रस्टी बनाकर करोड़ों रुपये का फाइनेंशियल गबन किया है। मरे हुए ट्रस्टियों के नाम पर झूठे प्रस्ताव बनाकर किया गया क्राइम। मिली जानकारी के मुताबिक, बोडेली पुलिस स्टेशन में बोडेली ढोकलिया पब्लिक हॉस्पिटल के ट्रस्टियों द्वारा किए गए क्राइम के बारे में केस दर्ज किया गया है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि मरे हुए लोगों को सालों से ट्रस्टी बनाए रखा गया है। मरे हुए ट्रस्टियों के नाम पर फर्जी प्रस्ताव बनाकर प्रस्तावों को असली बताकर क्राइम किया गया है। एक ट्रस्टी अपनी नागरिकता छोड़ने के बावजूद ट्रस्टी के तौर पर काम करता रहता है और झूठे प्रस्ताव बनाता है।

इसके अलावा, शिकायत में ट्रस्ट के खिलाफ फाइनेंशियल गड़बड़ियों का भी आरोप है। जिसमें ट्रस्ट की जमीनों की गैर-कानूनी बिक्री और किराए के प्रस्तावों में फर्जी साइन करके और ट्रस्ट तोड़ने से बड़ी रकम का गबन किया गया है। इस मामले में हॉस्पिटल के प्रेसिडेंट और पूर्व सरपंच के साथ-साथ इखढ की एक पुरानी नेता कंचन पटेल मुख्य आरोपी हैं। कंचन पटेल पर पहले भी भक्ता इंग्लिश मीडियम स्कूल में फर्जी डॉक्यूमेंट बनाने का आरोप था। हालांकि, हॉस्पिटल में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज होने के बाद से ही आरोपी कंचन पटेल फरार है और इससे पहले भी तीन महीने तक फरार रही थी। कंचन पटेल करोड़ों रुपये की मालकिन है और उसके परिवार वालों के पास वर की नागरिकता है। बोडेली पुलिस ने कंचन पटेल, रजनीकांत गांधी, ईश्वर ठक्कर, बाबूलाल पटेल, शांतिलाल पटेल और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आगे की जांच और फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जलग्रहण महोत्सव 2025, जिला प्रमुख अर्जुन राम पुरोहित ने किया लोकार्पण

अंकित कुमार सुथार

राजस्थानः प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत रेवदर पंचायत समिति में ग्राम पंचायत जेतावाडा के ग्राम वासडा में ब्लॉक स्तरीय जलग्रहण महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जिला प्रमुख श्री अर्जुन राम पुरोहित ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम का सफल आयोजन जलग्रहण एवं भू संरक्षण विभाग द्वारा किया गया। विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री संजय कुमार दवे ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, जल संरक्षण के प्रयासों, सिंचाई क्षमता बढ़ाने एवं भूमि संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि द्वारा विभाग द्वारा कराए गए कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी साथ में किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी जलग्रहण क्षेत्र के विकास के लिए और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी कदम उठाए जाएंगे क कार्यक्रम के पूर्व आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसी के साथ जल संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने वाले वॉटरशेड योद्धाओं का विशेष सम्मान किया गया, जिससे उनके योगदान को सार्वजनिक रूप से सराहना मिली। कार्यक्रम में मोरिंगा के महत्व को समझाने हेतु एक विशेष स्टॉल लगाया गया, साथ ही राजीविका द्वारा भी एक जागरूकता स्टॉल स्थापित किया गया। कार्यक्रम के अंत में राजीविका द्वारा शपथ दिलाई गई तथा वृक्षारोपण के साथ महोत्सव का समापन किया गया। विभाग की ओर से सहायक अभियंता श्री प्रवीण कुमार, कनिष्ठ अभियंता श्री लोकेश कुमार, सचिव बाँट रमेश चौधरी तथा साक्षी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।इसके साथ ही जेतावाडा सरपंच श्री शांतिलाल जी, बांट सरपंच प्रतिनिधि श्री ललित जी , पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि श्री भेराराम जी, मारोल सरपंच प्रतिनिधि गणपत सिंह निम्बोडा ,नायब तहसीलदार,और ग्रामवासी केरा राम पुरोहित, बाबू भाई, त्रिकमजी पुरोहित तथा प्रतापजी पुरोहित सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज कराई। जलग्रहण महोत्सव 2025 ने न केवल लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि सामुदायिक भागीदारी एवं सहयोग की एक उत्कृष्ट मिसाल भी प्रस्तुत की।

बच्चों की शिक्षा व महिलाओं की सहायता हेतु चला डोनेशन ड्राइव

गोपाल सोनी

राजस्थानः गरीब बच्चों और महिलाओं की सहायता के लिए 'Humari Khushi Welfare Foundation' ने शुरू किया डोनेशन अभियान। गरीब बच्चों की शिक्षा, भोजन और पहनने-ओढ़ने की मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से Humari Khushi Welfare Foundation ने एक विशेष डोनेशन अभियान की शुरूआत की है। संस्था महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर काम कर रही है। फाउंडेशन की निदेशक सविता शर्मा ने बताया कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक मदद पहुंचाना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि ह्लएक छोटी-सी सहायता किसी बच्चे के भविष्य और किसी महिला की ज़िंदगी को नई दिशा दे सकती है ह्व संस्था ने आम जनता से आगे आकर इस अभियान में सहयोग करने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाई जा सके। फाउंडेशन द्वारा मिलने वाली प्रत्येक सहायता का उपयोग पारदर्शिता के साथ बच्चों की शिक्षा, भोजन, कपड़े, और महिलाओं के पुनर्वास व कौशल विकास पर किया जाएगा। फाउंडेशन ने उम्मीद जताई है कि समाज के सभी वर्ग इस पहल में सहयोग देकर मानवीय सहायता की इस मुहिम को और मजबूत करेंगे।

शासकीय गौशाला में 31 लाख का फर्जीवाड़ा, बिना गोवंश उठाई गई रकम

राम पूजन पटेल

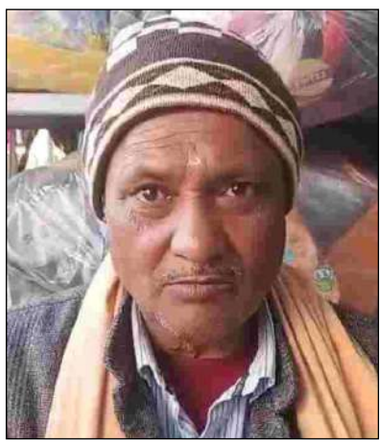

मध्य प्रदेशः भ्रष्टाचार के मामलों में बार-बार सुर्खियों में आने वाले नवगठित मऊगंज जिले से एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। हनुमना जनपद के ग्राम पंचायत बेलहाझमदरावल में संचालित शासकीय गौशाला में फर्जी बिल-वाउचर लगाकर 31 लाख 04 हजार 360 रुपए आहरित करने का चौंकाने वाला मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि ग्रामीणों की बार-बार की शिकायतों के बावजूद प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों ने पहली शिकायत 23 मई 2025 और दूसरी 13 अगस्त 2025 को जिला कलेक्टर कार्यालय में की, परंतु कोई संज्ञान नहीं लिया गया। शिकायत न सुने जाने के बाद ग्रामीणों ने 23 अक्टूबर 2025 को क्षेत्रीय विधायक प्रदीप पटेल से मामले की शिकायत की। इसके बाद विधायक स्वयं ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और उपसंचालक पशु चिकित्सा जे.एल. साकेत को बुलाया। एक ही तारीख पर दो अलग-अलग जानकारी! संदेह गहराया। विधायक द्वारा जानकारी मांगे जाने पर उपसंचालक जे.एल. साकेत ने पत्र क्रमांक 253 के माध्यम से बताया कि: मई माह में ?3,24,120 जून माह में ?4,41,440 की राशि ग्राम पंचायत द्वारा आहरित की गई है। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इसी गौशाला पर ग्राम पंचायत मदरावल निवासी रामलाल कोल द्वारा लगाई गई आरटीआई के जवाब में उपसंचालक ने उसी तारीख – 23.10.2025 को लिखित रूप में कहा कि गौशाला को कोई भी अनुदान जारी नहीं किया गया है। एक ही दिन में दो विपरीत जवाब मिलने से घोटाले की परतें और गहरी हो गई हैं। पशु चिकित्सा अधिकारी हनुमना का बड़ा खुलासाः ह्लगौशाला में एक भी गोवंश नहीं थे तो फिर भुगतान कैसे। ग्राम पंचायत बेलहा के उपसरपंच द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने पर पशु चिकित्सा सहायक अधिकारी हनुमना ने पत्र क्रमांक 162 में बताया कि: मई से 14 अगस्त 2025 तक गौशाला में एक भी गोवंश मौजूद नहीं था। किसी प्रकार का सत्यापन कभी नहीं किया गया। कार्यालय को न कोई लिखित और न मौखिक सूचना दी गई। इसके बावजूद अलग-अलग तिथियों में लाखों रुपए आहरित किए गए, जब गोवंश थे ही नहीं तो फिर इन 31 लाख रुपए का भुगतान किस आधार पर किया गया। घोटाले को छिपाने की बड़ी साजिश इस भ्रष्टाचार को अंजाम देने के लिए एक ही गौशाला के लिए अलग-अलग तिथियों में चार बार समिति बदली गई, ताकि अनियमित भुगतान को वैध दिखाया जा सके।

एक नजर

स्वास्थ्य केंद्र के हाईमास्ट लाइट कई महीनों से खराब, रात में हुआ अंधेरा

एमडी फिरोज आलम/बिहार। नगर पंचायत के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सांसद निधि (एमपी योजना) के तहत वर्षों पहले लगाई गई हाईमास्ट लाइट इन दिनों आंशिक रूप से खराब है। हाईमास्ट पर कुल आठ लाइटें लगी हैं, जिनमें से पाँच लाइटें कई महीनों से बंद पड़ी हैं, जबकि केवल तीन लाइटें ही रात में जल रही हैं।रोशनी कम होने के कारण स्वास्थ्य केंद्र परिसर और आसपास का क्षेत्र अंधेरा रहता है, जिससे मरीजों और आम लोगों को रात में आने-जाने में दिक्कत होती है। इमरजेंसी वार्ड तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है।आसपास के दुकानदारों ने बताया कि शाम ढलते ही तीन लाइटों की रोशनी पूरे परिसर को रोशन करने के लिए पर्याप्त नहीं रहती, जिससे इलाका आधे से ज्यादा हिस्से में अंधेरे में डूब जाता है और किसी भी वारदात की आशंका बनी रहती है। कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर हाईमास्ट लाइट का आंशिक रूप से खराब रहना अफसोसजनक है। इसकी मरम्मत नगर पंचायत द्वारा शीघ्र कराई जानी चाहिए।

सरकार ने 2025 तक 1.6 लाख सरकारी नियुक्तियाँ पूरी की, रोजगार सृजन जारी

प्रशांत बोरा/असम। असम सरकार ने हाल ही में 5,818 युवाओं को नियुक्ति पत्र (appointment letters) सौंपे। ये नियुक्तियाँ मुख्य-तौर पर Assam Police और अन्य गृह विभागों में की गईं। इससे पहले भी लगभग 5,550 TET-योग्य उम्मीदवारों (शिक्षक पदों के लिए) को नियुक्ति पत्र दिए गए थे। इस सरकार के कार्यकाल में – 2025 की पहली तिमाही तक कुल मिलाकर लगभग 1.6 लाख सरकारी पदों पर नियुक्तियाँ हो चुकी थीं। नवंबर 2025 में एक घोषणाः 8,206 और नियुक्तियाँ, जिससे शैक्षिक (Higher & Secondary Education) विभागों में भर्ती पूरी हुई, और कुल नौकरियों की संख्या लगभग 1,34,999 हो गई। इसके अलावा एक अन्य कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग में 400 मेडिकल / हेल्थ ऑफिसर नियुक्तियाँ दी गईं, जिससे स्वास्थ्य सेवा मजबूत करने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े। सरकार ने 2021 के विधानसभा चुनावों के समय 1 लाख सरकारी नौकरियाँ देने का वादा किया था, जिसे पूरा करते हुए अब वे इस लक्ष्य से आगे बढ़ चुके हैं। आगे 2026 तक कुल 1.5 लाख या उससे अधिक सरकारी नौकरियाँ देने का लक्ष्य रखा गया है। यह दिखाता है कि असम में सरकारी भर्ती और रोजगार सृजन कार्यक्रम निरंतर जारी है। शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य, अन्य विभागों में रिक्रूटमेंट से युवाओं को काम मिल रहा है।

Post Malone ने गुवाहाटी में पहला लाइव कॉन्सर्ट दिया, राज्य की 'कॉन्सर्ट इकोनॉमी' को बढ़ावा

अताउर रहमान/असम। अमेरिकी रैपर-सिंगर Post Malone ने 8 दिसंबर 2025 को पहली बार गुवाहाटी (असम) में लाइव प्रदर्शन (कंसर्ट) दिया, जो राज्य की नई 'कॉन्सर्ट इकोनॉमी' पहल के तहत आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम असम सरकार की नई नीति के तहत था, जिसमें राज्य को संगीत- एवं इवेंट-पार्टीज का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में काम हो रहा है। गुवाहाटी साथ ही Dibrugarh AüSX Jorhat को भविष्य में बड़े संगीत समारोहों और अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के लिए तैयार स्टेडियम/वेन्यू के रूप में विकसित करने की योजना है। इस कदम को असम की सांस्कृतिक और पर्यटन दिशा में एक बड़ा मौका माना जा रहा है – युवा-पीढ़ी के लिए नए अनुभव, स्थानीय व्यवसायों के लिए आर्थिक संभावनाएं, और असम के लिए एक ग्लोबल मंच।

काम पर निकले कृष्णा मंडल रास्ते में लापता, पुलिस में FIR दर्ज

एमडी मुबीन अहमद/असमः कृष्णा मंडल पिता सुभाष मंडल 14 अगस्त को गुवाहाटी से गुजरात कुछ कम करने हेतु निकोला था। उनके साथ और 9 आदमी एक साथ था। गुवाहाटी से गुजरात टॉक ठीक ठाक निकोल गोया था। बीज में एक दो दिन जाने के बाद गुवाहाटी से गुजरात के बिछ रस्ते में ही ट्रेन से ला पोता हो गया। कृष्णा मंडल के बाकी साथी ने घर पर फोन करके बताया कि वह ला पता हे उनके साथ में कृष्णा मंडल नहीं है। ढूंढने से भी नहीं मिले। कृष्णा के मोबाइल, अधर कार्ड, पन कार्ड, वोटर आईडी सब कुछ बाकी लोगोके पास है। घर के सभी लोग सिंचित है। औभितक उनका कोई भी खबर नहीं मिला।

जुबीन गर्ग मौत मामले में SIT ने की हत्या की पुष्टि

आरोपियों के खिलाफ मुकदमा मंजूर

अताउर रहमान

असमः लोकप्रिय असमिया गायक Zubeen Garg के रहस्यमयी मौत-मामले में अब स्पष्ट मोड़ आ गया है। राज्य सरकार ने उनकी मृत्यु को 'साधारण हादसा' नहीं बल्कि 'हत्या' करार देते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की कानूनी मंजूरी दे दी है। 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में एक यॉट आउटिंग के दौरान जुबिन गर्ग की मृत्यु हुई थी। शुरू में यह हादसा माना गया – पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह 'डूबने' बताई गई थी। लेकिन बाद में असम पुलिस के विशेषज्ञ दल (Special Investigation Team – SIT) ने हत्या – यानी साजिश की संभावना जताई। कई बिंदुओं में विसंगतियाँ मिलीं, और आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कराई गई। एसआईटी ने अब तक कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें गायक के मैनेजर, आयोजक और कुछ अन्य शामिल हैं। 18 नवंबर 2025 को Amit Shah (केंद्रीय गृह मंत्री) ने Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS) की धारा 208 के तहत जांच-पूर्व अनुमति दी – जिससे न्यायालय में मुकदमा चलाने का रास्ता खुला। इसके बाद राज्य सरकार ने वादा किया कि आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट 12 दिसंबर तक दाखिल कर दी जाएगी। रक्छ ने अपनी जांच पूरी कर ली है, और लगभग 3,500 पेज की रिपोर्ट तैयार है। साथ ही, इस केस की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट गठित किया गया है और एक विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति की गई है। ताकि मुकदमा तेजी से चले। Himanta Biswa Sarma ने कहा कि जुबिन की मौत को अब 'साफ-सुथरी हत्या' माना गया है, और जो अन्य लोग इसमें शामिल थे। चाहे मददगार हों या साजिशकर्ता – उन्हें कानून के तहत सजा मिलेगी। उन्होंने कहा कि जब इस केस का पूरा खुलासा होगा, तो असम की जनता को 'सच्चाई' पता चलेगी। यह फैसला उन लाखों फैन्स, परिवार और नागरिकों के लिए उम्मीद दिलाता है जो लंबे समय से मांग कर रहे थे कि मामले को अनसुलझा नहीं छोड़ना चाहिए।

सर्बानंद सोनोवाल की पहल से अवसंरचना व सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा दिया

प्रशांत बोरा

असमः विश्व के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली में हाल के दिनों में विकास कार्यों ने नई गति पकड़ी है। पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान लोकसभा सांसद सबानंद सोनोवाल ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और बेहतर कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाया है। रोजगार व बुनियादी ढांचा विकास की बड़ी पहल।

सोनोवाल के कार्यकाल में माजुली के लिए लगभग 647 विकास योजनाएँ शुरू की गईं, जिनमें ग्रामीण रोजगार, सड़क एवं पुल निर्माण,प्राथमिक सुविधाओं के विस्तार जैसे कार्य शामिल थे। इन योजनाओं के लिए करीब 24.57 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई थी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़े और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिला। माजुली की नाजुक पारिस्थितिकी को ध्यान में रखते हुए सोनोवाल ने इसे देश का पहला कार्बन न्यूट्रल जिला बनाने की पहल की। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैवविविधता को बचाना और विकास व प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखना

था। यह कदम माजुली जैसी संवेदनशील भौगोलिक इकाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सोनोवाल ने माजुली के सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए माजुली यूनिवर्सिटी ऑफ कल्चर की स्थापना को आगे बढ़ाया। यह विश्वविद्यालय शास्त्रीय कला, साहित्य, संस्कृति और परंपरागत अध्ययन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है, जिससे माजुली सांस्कृतिक शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बन सके। हाल ही में माजुली स्थित हेलीपोर्ट, जिसे सोनोवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए वर्ष 2021 में शुरू किया गया था, को फिर से पूरी तरह सक्रिय करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। चार वर्षों से उपेक्षित इस हेलीपोर्ट के पुनर्जीवन से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। आपातकालीन कनेक्टिविटी मजबूत होगी। माजुली आधुनिक परिवहन सुविधाओं से जुड़ सकेगा।

श्री नानकलंक रणुजाधाम वृद्धाश्रम का राज्य अध्यक्ष परसोतमभाई मुंगरा ने किया निरीक्षण

विठ्ठल नानजी कनानी

गुजरातः राज्य के अध्यक्ष श्री परसोतमभाई एन मुंगरा (पटेल) जामनगर जिले के श्री नानकलंक रणुजा में वृद्धाश्रम का दौरा करते हुए। आज जामनगर जिले के श्री नानकलंक रघुजाधाम में वृद्धाश्रम का दौरा किया। इसमें हर बुजुर्ग व्यक्ति के लिए रहने और खाने की शरई व्यवस्था है। बुजुर्गों के सोने के लिए बिस्तर, खाट आदि की व्यवस्था है। बिछाने के लिए चटाइयों की उत्तम व्यवस्था है। सुविधानुसार सुबह का नाश्ता, चाय-पानी, दोपहर, शाम का भोजन उपलब्ध कराया जाता है। यह वृद्धाश्रम श्री नकलनकारानुज धाम के सामने सड़क पर स्थित है। श्री नानकलंक जामनगर राजमार्ग पर जम्बुदा पटिये से अलियाबाडा तक रणुजाधाम के सामने आता है। यहां आवास और भोजन उपलब्ध कराया जाता है। यहां बुजुर्गों के रहने के लिए नए वृद्धाश्रम का निर्माण कार्य चल रहा है। यहां शैरी सिस्टम भी है. बुजुर्गों को पहनने के लिए कपड़े आदि दिए जाते हैं। अगर कोई यहां खाना बनाना चाहता है या बुजुर्गों की देखभाल करना चाहता है तो उसे पहले से सूचना देनी होगी। जमादा किसी के जन्मदिन या किसी के जन्मदिन के अवसर पर किया जा सकता है। यहां कोई बीमार पड़ जाए तो उसकी देखभाल करते हैं। तथा दानदाता को संस्था की ओर से रसीद दी जाती है। कोई अनाज, तेल, कपड़े, कंबल, कालीन, गलीचे आदि दान कर सकता है। अधिक जानकारी के लिए सीधे संगठन से संपर्क करें। धन्यवाद ज्या रामापीर, ज्या अलंखधानी यह स्थान श्री नकलंक रणुजाधाम के महंतश्री रामदासबापू ने वृद्धाश्रम को चलाने के लिए दिया था। रामदेव पीर मंदिर, श्री नगला पीर का स्थान, श्री नकलंकधाम में महादेव, श्री राम, लक्ष्मणजी, सीता जी की मूर्तियाँ प्रतिष्ठित हैं। यहां श्री अंबे माताजी, श्री चांचूड़ा माताजी की भी मूर्तियां हैं। यहां संतों का समाधि स्थल भी है। यहां श्री ननकलक धाम में श्री नागजी बापू की गद्दी और समाधि मंदिर बना हुआ है, यहां हर साल भाद्रवा माह में नोम से मेला लगता है।

जर्जर पुल पर बड़ा गड्ढा, राधिका राठवा ने चक्का जाम कर किया विरोध

खत्री मो. तोसिफ सुलेमानभाई

गुजरातः कवांट के पास मुख्य मार्ग पर स्थित पुल लंबे समय से जर्जर हालत में था। आज अचानक पुल पर बड़ा गड्ढा बन जाने से मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों में डर और अफरा-तफरी फैल गई।

पुल के खतरनाक बन जाने पर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। इस घटना की जानकारी मिलते ही आम आदमी पार्टी की राधिका राठवा अपने कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचीं और विरोध प्रदर्शन किया। राधिका राठवा व कार्यकर्ताओं ने पुल पर ही चक्का जाम किया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह ठप हो गया। मौके पर राधिका राठवाने सरकार के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा– गंभीरापुल जैसी घटना अगर दोबारा होती है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। कार्यकर्ताओं ने पुल पर रामधुन गाई और 'भाजपा सरकार हाय-हाय' के नारे लगाकर मार्ग और भवन विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाए।

एसएसपी सहारनपुर की बैंक प्रबंधकों संग साइबर सुरक्षा बैठक

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर आशीष तिवारी के निर्देशन में दिनांक 10 दिसंबर 2025 को पुलिस लाइन स्थित सभागार में जनपद के सभी बैंक प्रबंधकों के साथ साइबर सुरक्षा,आर्थिक सुरक्षा एवं बैंकिंग सुरक्षाओं के विषय पर एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। इस बैठक का प्राथमिक उद्देश्य बढ़ते साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, डिजिटल अपराधों एवं बैंकिंग धोखाधड़ी की रोकथाम हेतु पुलिसझबैंक समन्वय को मजबूत बनाना रहा।

बैठक में बैंक प्रबंधकों को बताया गया कि हाल के दिनों में ओ टी पी फ्रॉड, फर्जी कॉल, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी ई के वाई सी लिंक, यूपी आई ठगी, एटीएम फ्रॉड जैसे मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। ऐसे में बैंक स्टाफ की सतर्कता और त्वरित सूचना आमजन की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैंकिंग सुरक्षा हेतु दिए गए प्रमुख दिशा-निर्देश। बैंक शाखाओं में सीसीटीवी, अलार्म सिस्टम एवं सुरक्षा गार्ड की प्रभावी व्यवस्था अनिवार्य है, बैंक खुलने और बंद होने के समय पुलिस से समन्वय बनाए रखें। संदिग्ध व्यक्तियों, कॉल या लेन-देन की स्थिति में तुरंत सूचना दे। एटीएम, शाखा परिसर और कैश वैन की नियमित निगरानी रखी जाए। ग्राहकों को ओ टी पी, एटीएम पिन या यूपी आई पिन साझा न करने हेतु सतत जागरूकता, आर्थिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण निर्देश, किसी भी प्रकार की ठगी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल कर धनराशि फ्रीज कराएं। साइबर फ्रॉड की सूचना में देरी से नुकसान बढ़ने का खतरा। बुजुर्ग, महिलाएँ और ग्रामीण ग्राहकों को विशेष जागरूकता प्रदान करें। बैंक शाखाओं में जागरूकता पोस्टर, बैनर और पम्पलेट लगाए जाएँ, गोष्ठी में यह भी स्पष्ट निर्देश दिए गए कि फर्जी खाते, मनी लॉन्ड्रिंग, संदिग्ध ट्रांजैक्शन या किसी भी प्रकार के डिजिटल/आर्थिक अपराध की सूचना पुलिस को तुरंत उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सहारनपुर पुलिस ने आश्वस्त किया कि साइबर अपराध, आर्थिक ठगी और बैंकिंग फ्रॉड के विरुद्ध वह पूरी तरह सतर्क है और आमजन की धन-संपत्ति की सुरक्षा हेतु निरंतर अभियान चल रहा है।

समाजसेवी पत्रकार सुनील जैन के जन्मदिवस पर विशाल रक्तदान शिविर और जरूरतमंद बच्चों को सामग्री वितरण

सविता शर्मा

राजस्थानः समाजसेवी पत्रकार सुनील जैन के जन्मदिवस के अवसर पर मेरा अधिकार संस्था एवं नया सवेरा लाइफ केयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में परकोटा वाले भैरुजी के मंदिर, अजमेरी गेट, जयपुर में विशाल रक्तदान शिविर, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ एवं जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य-सामग्री वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जगदीश दास महाराज, पी.के. मस्ता (टी.आई., पुलिस विभाग) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेविका ईवादीप सक्सैना ने की तथा विशिष्ट अतिथि मीरा कुमारी (अध्यक्ष, राजस्थान भारत सेवक समाज प्रदेश उपस्थित रहीं। इसके पश्चात आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान दिया। इस अवसर पर सुनील जैन द्वारा सभी अतिथियों का माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।

ब्लड बैंक काउंसलर जे.पी. बुनकर ने बताया कि सर्दियों में रक्तदान अत्यंत लाभकारी होता है। कम तापमान के कारण रक्त गाढ़ा होने की संभावना बढ़ती है, जिससे हृदय संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में नियमित रक्तदान से ब्लड सकुर्लेशन बेहतर रहता है और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। कार्यक्रम के दौरान अलसना रंग थिएटर सोसायटी के रंगकर्मी असलम कुरैशी एवं उनकी टीम द्वारा सड़क सुरक्षा विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिससे उपस्थित लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

इस मौके पर दिनेश शर्मा, संपादक सुरभि स्मारिका अध्यक्ष रूपाली राव, सचिव रवि कश्यप ,तरुण कुमावत, निर्देशक लॉर्ड्स ग्रुप कोचिंग विनोद नायक ,महासचिव अखिल समाज सेवा दल समाज सेवी संजय कुमार सिंह, अमन शर्मा, विकास सोनी ,समाजसेवी रमेश यादव रंजना शर्मा, प्रिंसिपल एस एस जी पारीक स्कूल मेहूल जी, आदि मौजूद थे।

तुलसी दिवस पोस्टर लॉन्च, प्रकृति व परंपरा से जुड़ाव पर जोर

सविता शर्मा

राजस्थानः जयपुर में आज सर्व समाज जागृति संघ द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें संगठन के अध्यक्ष एवं निदेशक श्री सुरेश चंद्र शर्मा ने आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया, संस्थापक मीरा हॉस्पिटल, के द्वारा तुलसी दिवस मनाने के लिए तैयार किए गए विशेष पोस्टर का विमोचन किया। पोस्टर विमोचन समारोह में तुलसी के धार्मिक, आयुर्वेदिक और पर्यावरणीय महत्व पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री सुरेश चंद्र शर्मा ने कहा कि आधुनिक युग में लोगों को प्रकृति एवं परंपराओं से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता है, जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा और जागरूकता फैलती है। आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने तुलसी को आरोग्य और आध्यात्मिकता का सर्वोच्च प्रतीक बताते हुए सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस दिन अपने घरों व आसपास के क्षेत्रों में तुलसी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। कार्यक्रम का संचालन सर्व समाज जागृति संघ की टीम द्वारा किया गया और बड़ी संख्या में समाजसेवी, स्थानीय नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत एंटी रोमियो टीम की व्यापक चेकिंग, महिलाओं की सुरक्षा पर जोर

घनश्याम दास

उत्तर-प्रदेशः रामपुर मनिहारान उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे नारी सशक्तिकरण मिशन शक्ति अभियान फेज 0.5 के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माननीय आशीष तिवारी जनपद सहारनपुर के निदेर्शानुसार थाना प्रभारी श्री राधेश्याम यादव थाना रामपुर मनिहारान के कुशल नेतृत्व में टीम इंचार्ज एस आई श्री देवेन्द्र सिंह ने मिशन शक्ति अभियान को आगे बढ़ाते हुए। नगर में एंटी रोमियो व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व एंटी रोमियो टीम के इंचार्ज एस आई श्री देवेंद्र सिंह ने स्वं किया। टीम ने बाजारों, स्कूलों, सार्वजनिक स्थलों एवं कोचिंग संस्थानों में गश्त करते हुए युवाओं को महिला सम्मान और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान टीम रामपुर मनिहारान सी एच सी (समुदाय स्वास्थ्य केंद्र) पर भी पहुंची, जहां मौजूद महिला मरीजों और स्टाफ से सुरक्षा से संबंधित जानकारी ली गई। टीम ने हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 और 1098 की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं तुरंत सहायता प्राप्त कर सकती हैं। सरकारी अस्पताल के स्टाफ ने टीम को अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए धन्यवाद दिया। टीम प्रभारी एस आई श्री देवेंद्र सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, अभद्रता या उत्पीड़न पर तुरंत कार्रवाई होगी। अभियान में टीम के सदस्यों ने बाजारों में घूमकर लोगों को जागरूक किया, और कहा कि महिलाओं की सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मिशन शक्ति के तहत यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस दौरान महिला कांस्टेबल नजमा भी मौजूद रही।

एक नजर

होम गार्ड्स स्थापना दिवस पर अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं स्वच्छता अभियान

अंकित कुमार सुथार/गुजरातः आज दिनांक 6 दिसंबर को होम गार्ड्स स्थापना दिवस के अवसर पर, बनासकांठा जिला कमांडेंट के निदेर्शानुसार पंथवाड़ा होम गार्ड्स सब यूनिट द्वारा सामाजिक सेवा का सराहनीय कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में पंथवाड़ा यूनिट के सदस्य धनियावाड़ा गांव पहुँचे, जहाँ उन्होंने डॉ. बी. आर. अंबेडकर साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही, स्वच्छता अभियान के तहत यूनिट के सभी सदस्यों ने अंबेडकर साहेब की मूर्ति एवं उसके आस-पास के परिसर की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में होम गार्ड्स के सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति और समाज सेवा के प्रति समर्पण की सराहना की गई।

पुलिस मित्र संगठन ने बच्चों को साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

संजय मोदी/राजस्थानः आज खश्र चिल्ड्रन एकेडमी लाडनूं में पुलिस मित्र संगठन लाडनूं द्वारा बच्चों को सड़क सुरक्षा और वर्तमान समय में बढ़ते हुए साइबर अपराध एवं ऑनलाइन फ्रॉड को रोकने के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में संगठन के सदस्य संजय मोदी, अरुण, उमेश जांगिड़, हेमंत नाहर और नथमल जांगिड़ ने भाग लिया। संगठन द्वारा छोटे बच्चों को टॉफी वितरित की गईं। संगठन द्वारा बच्चों को जागरूक रहे और जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

लिव-इन रिलेशन पर तीखी प्रतिक्रिया, सरकार से सख्त कानून की मांग

गोपाल सोनी/राजस्थानः जयपुर पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीरा हॉस्पिटल के संस्थापक आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने लिव-इन रिलेशन पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे ह्लसमाज के पतन का मार्गह्व बताया। आचार्य पाटोदिया ने कहा कि आधुनिकता के नाम पर बढ़ रही यह प्रथा भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक संतुलन के लिए खतरा बनती जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से अपील करते हुए कहा कि लिव-इन रिलेशन को नियंत्रित या बंद करने के लिए सख्त कानून बनाए जाएं।ह्व आचार्य पाटोदिया ने इसे सामाजिक विघटन का कारण बताते हुए सरकार से इस मुद्दे पर गंभीर कदम उठाने की मांग की।

खेतुसर में पाकिस्तान लिखा संदिग्ध गुब्बारा मिला, पुलिस ने कब्जे में लेकर जांच शुरू की

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलोदी बाप थाना क्षेत्र के खेतुसर गांव में सोमवार सुबह एक संदिग्ध पाकिस्तान आकार का गुब्बारा मिलने से ग्रामीणों में हलचल मच गई। बताया जा रहा है कि इस गुब्बारे पर ह्लढं२३ल्लह्व लिखा हुआ था, जिसे देखकर क्षेत्र के कई लोग मौके पर जमा हो गए।सूचना मिलने पर बाप थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित किया। पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से गुब्बारे को अपने कब्जे में लेकर जांच एजेंसियों को सौंप दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह गुब्बारा हवा के रुख से सीमावर्ती क्षेत्र की ओर बहकर खेतुसर तक पहुंचा हो सकता है। फिलहाल जांच अधिकारी मामले की हर पहलू से पडताल कर रहे हैं।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि खेत में पड़े इस गुब्बारे को देखकर पहले तो लोगों को कोई मजाक लगा, लेकिन पाकिस्तान लिखा देखने के बाद सब सतर्क हो गए। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि यह गुब्बारा कहां से और किस उद्देश्य से छोड़ा गया था।

प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण बैठक, जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति चिंताजनक

एमडी फिरोज आलम

बिहारः मुख्यालय स्थित सभागार में प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक बीडीओ रणवीर कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बीपीआरओ फरीद अहमद, बीपीएम इंद्रजीत कुमार, सीडीपीओ पुष्पा कुमारी, एएसआई अमित कश्यप के साथ स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागों के कर्मी तथा स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि बैठक में प्रखंड के एक भी जनप्रतिनिधि शामिल नहीं हुए, जिसे अधिकारियों ने गंभीर माना। बैठक में बच्चों के खिलाफ हिंसा, दुर्व्यवहार एवं शोषण की रोकथाम पर विस्तृत चर्चा की गई।परित्यक्त और बेघर बच्चों की देखभाल, उनके पुनर्वास तथा उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। वहीं, पढ़ाई छोड़कर घर या अन्य स्थानों पर श्रम करने वाले बच्चों को पुनः मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। बीडीओ रणवीर कुमार ने कहा कि बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर हर तीन महीने पर बैठक आयोजित की जाती है, लेकिन जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति चिंताजनक है।उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर बाल हितैषी पंचायत की दिशा में कार्य तेज किया जा रहा है। इसके लिए पंचायती डायरी लॉन्च की गई है, जिसमें बाल संरक्षण से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया है।

विकास रैली की तैयारियों का एसपी अमित यशवर्धन और एसडीएम राजेश खोथ ने किया निरीक्षण

राममेहर

हरियाणाः हांसी 11 दिसंबर-तोशाम रोड स्थित नई ऑटो मार्केट में आगामी 16 दिसंबर को होने वाली हांसी विकास रैली की तैयारियों को लेकर वीरवार को पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन तथा एसडीएम राजेश खोथ ने रैली स्थल का दौरा किया और की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। इस रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन तथा एसडीएम राजेश खोथ ने रैली स्थल पर पहुंचकर प्रबंधों का गहनता से निरीक्षण करते हुए अधिकारियों व पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि रैली में आने वाले आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए संपूर्ण पुलिस बल हर समय सतर्क व मुस्तैद रहे। उन्होंने प्रवेश व निकास द्वार, पार्किंग स्थल, वीआईपी मार्ग, स्टेज के आसपास की सुरक्षा तथा भीड़ नियंत्रण प्रबंधों का विस्तार से निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम राजेश खोथ ने प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध रूप से सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई, पानी, बिजली, यातायात मार्ग, बैठने की व्यवस्था और अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी रोस्टर सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उप पुलिस अधीक्षक रविन्द्र सांगवान, पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। फोटो कैप्शन-रैली स्थल दौरा कर प्रबंधों का जायजा लेते पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन तथा एसडीएम राजेश खोथ।

चाचक स्कूल में पारूल आयुर्वेदिक अस्पताल ने किया 115 ग्रामीणों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

खत्री मो. तोसिफ सुलेमानभाई

गुजरातः आज दिनांक 6 दिसंबर 2025 को चाचक प्राथमिक विद्यालय परिसर में पारूल आयुर्वेदिक हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क सर्व रोग निदान चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह मेडिकल कैंप ऋषि फाउंडेशन और चाणक्य फाउंडेशन के सहयोग से तथा फैकल्टी ऑफ आयुर्वेद पारूल यूनिवर्सिटी के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस मेडिकल कैंप में चाचक गांव के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया।

कुल 115 ग्रामीणों ने इस शिविर में स्वास्थ्य जांच, परामर्श एवं आयुर्वेदिक दवाओं का लाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में चाचक प्राथमिक विद्यालय की आचार्यश्री बीनल बेन पटेल, श्री मुकेशभाई राठवा, श्री रमेशभाई राठवा श्री अनिलभाई राठवा, श्री सुमितभाई बारिया तथा श्री रमेशभाई बारिया उपस्थित रहे। इसके अलावा ऋषि फाउंडेशन के अध्यक्ष दीपक कुमार राठवा तथा चाणक्य फाउंडेशन की अध्यक्ष रिंकू बेन राठवा ने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कैंप की व्यवस्था को सफल बनाया। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य परीक्षण, रोग निदान, उपचार, दवाइयाँ तथा स्वास्थ्य जागरूकता जैसी सेवाएँ प्रदान की गईं। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे स्वास्थ्य शिविर आगे भी आयोजित किए जाने की मांग की।

सम्पादकीय

चुनाव सुधार पर अहम चर्चा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी 'वोट चोरी' के कृत्य को अंजाम देकर सबसे बड़ा देशविरोधी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ 'द आइडिया ऑफ इंडिया' यानी भारत की अवधारणा को नष्ट कर रहे हैं।

राहुल गांधी पहले भी वोट चोरी के इल्जाम लगाते हुए कई सबूत भी पेश कर चुके हैं, जिनमें महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। नेता प्रतिपक्ष के इन आरोपों पर भाजपा ने हमेशा चुनाव आयोग का बचाव किया है और खुद चुनाव आयोग ने भी इन आरोपों का तार्किक जवाब देने की जगह इन पर फेक का ठप्पा लगाकर खारिज कर दिया है। लेकिन लोकतंत्र इतने उथलेपन के साथ नहीं चल सकता कि विपक्ष के आरोपों को गलत कहकर अपनी जिम्मेदारी से बरी हुआ जाए। सरकार और चुनाव आयोग दोनों को इस बात का जवाब देना होगा कि आखिर मतदाता सूची में तथाकथित शुद्धिकरण की जरूरत अभी क्यों पड़ी है।

बिहार के बाद चुनाव आयोग ने देश के 12 और राज्यों में मतदाता सूची का एसआईआर करवाया है, आज यानी 11 तारीख को एसआईआर के लिए फॉर्म भरने की आखिरी तारीख है। पहले यह मियाद 4 दिसंबर तक थी, लेकिन जब चुनाव आयोग को खुद यह समझ आया कि इतनी जल्दी करोड़ों मतदाताओं की सूची फिर से तैयार नहीं हो सकती तो तारीख आगे बढ़ाई गई। हालांकि विपक्ष पहले ही इस जल्दबाजी पर सवाल उठा रहा था। एसआईआर का मामला अदालत में भी है, लेकिन चुनाव आयोग ने न बिहार चुनाव के वक्तविपक्ष की आपत्तियों और लोगों की तकलीफों पर ध्यान दिया न अब दे रहा है।

इस बीच एसआईआर के काम में लगे कई बीएलओज की अकाल मौत या गंभीर रूप से बीमार होने की खबरें आ चुकी हैं। मगर चुनाव आयोग ने यह माना ही नहीं कि बीएलओज पर काम का या कुछ खास समुदायों के वोट काटने का दबाव है।

एसआईआर से जुड़े ऐसे कई सवालों पर विपक्ष सदन में भी चर्चा चाहता था ताकि देश को इस बारे में सरकार का आधिकारिक नजरिया पता चले। पिछले मानसून सत्र में विपक्ष की इस मांग को सरकार ने टाल दिया था, लेकिन शीतकालीन सत्र में सरकार अपनी जिद पर टिक नहीं पाई। एसआईआर तो नहीं लेकिन चुनाव सुधार के नाम पर चर्चा के लिए सरकार राजी हुई। अब इसमें विपक्ष ने जो मुद्दे उठाए हैं, उनके बेतुके जवाब भाजपा दे रही है।

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान न केवल एसआईआर की बात की, बल्कि भाजपा और संघ के लोकतंत्र से खिलवाड़ पर हमला भी किया। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद इनके 'प्रोजेक्ट' का अगला हिस्सा भारत के संस्थागत ढांचे पर कब्जा करने का था। राहुल ने दावा किया, 'आरएसएस ने एक-एक करके संस्थाओं पर कब्जा शुरू कर दिया। सब लोग जानते हैं कि विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति कैसे होती है। निर्वाचन आयोग, विश्वविद्यालयों, खुफिया एजेंसियों, जांच एजेंसियों और आयकर विभाग जैसी संस्थाओं पर कब्जा किया जा रहा है।'

राहुल गांधी ने कहा कि देश 1.5 अरब लोगों का ताना-बाना है जो वोट के माध्यम से बुना हुआ है। अगर वोट का ही मतलब नहीं रह जाएगा तो लोकसभा, विधानसभा या पंचायत, किसी का कोई अस्तित्व नहीं रह जाएगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त की चयन प्रक्रिया से अब मुख्य न्यायाधीश को बाहर कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयु (नियुक्ति, सेवा-शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023' के तहत तीन सदस्यीय चयन समिति में अब प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं। इस पर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस सरकार ने दिसंबर 2023 में कानून बदल दिया ताकि अपनी मर्जी से नियुक्ति हो। किसी चुनाव आयुक्त को उसके फैसलों के लिए दंडित नहीं किया जा सके। राहुल ने पूछा कि आखिर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इसकी जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने दावा किया कि इतिहास में किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया। राहुल की तरह कुछ और विपक्षी सांसदों ने भी यही सवाल सदन में किया। जिसके जवाब में अब रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि हम सभी न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। लेकिन न्यायपालिका को हर चीज में शामिल करना क्या सही है?

सत्ता का चक्रव्यूह भेदने के तरीके

-सुरेश सेठ-

लोकतंत्र के चार स्तम्भों की जानकारी हमें थी। पहला स्तम्भ प्रेस है, इसमें से गोदी मीडिया कौनसा है और तीखा सच बयान करने वाला कौनसा, इसकी पहचान आजकल कठिन होती जा रही है। गोदी मीडिया क्या वह होता है जिसे सरकार ने या धनपतियों ने गोद ले रखा हो। क्रांति या यथार्थ मीडिया वह, जिसकी जुबान सच बयान करते हुए तनिक भी न थरथराए। ऐसी दूर की कौड़ी तलाश कर लाए कि आदमी को किसी सनसनीखेज घटना से टकराने का एहसास हो जाए। लेकिन सुनने और पढ? वालों की परेशानी यह है कि प्रेस और मीडिया के दोनों रूप एक-दूसरे को गोदी और अपने आप को यथार्थ कहते फूले नहीं समाते। कुछ भी अघटनीय घट जाए, लेकिन जो जिसके हाजमे में नहीं उतरता, वह उसके बारे में चुप लगा कर अभयदान की मुद्रा में आ जाता है और मीडिया का दूसरा रूप उसकी नकाबनोच सनसनी फैला देता है। मीडिया का एक रूप अगर बिका हुआ या कालाबाजारियों का पिट्ठू कहलाता है तो दूसरा देशद्रोह और धर्म, जाति तथा क्षेत्र विभाजन के आम फहम लांछनों को उछालने वाला। जांच चल रही है और जल्द ही झूठों की नकाबें नुच जाएंगी और खरे सोने सा सच सबके सामने चौंका देगा कि दावे हवा में उछलते रहते हैं। मजे की बात यह है कि ये दावे दोनों तरह के मीडिया की ओर से किए जाते हैं। पाठक बौराया कभी सनसनी भरे धूल धक्कड़ का सामना करता है, और कभी कीचड़ भरी दलदल में उतर जाता है। फिर शीर्षक की यह उखाड़-पछाड़ थक कर मौन हो जाती है। मीडिया के दोनों पक्ष किसी नए याा अविष्कृत हैडिंग का कनकौआ लूटने के दौड़ भाग करने लगते हैं। धीरे-धीरे मौन पसरने लगता है। कल की जलती हुई खबरें बासी हो जाती हैं। खड़े जल में किसी ने पत्थर फेंक दिया था।

कटी पतंग बीच राह लूट ली गई। पाठक और श्रोता जांच के थैले से बिल्ली के बाहर आने का इंतजार करते रहते हैं। इंतजार जब लंबा हो जाए तो लगता है यहां चंद नारे उछालने के कोलाहल के सिवाय कभी कुछ और तो होता ही नहीं। इसलिए क्यों न बड़े बूढ़ों की बात को बीती सदी सा शिरोधार्य कर लिया जाए कि बच्चन, एक चुप में ही तेरे हजार सुख छिपे हैं। यह मन्त्र सिद्ध वाक्य केवल लोकतंत्र के एक स्तम्भ के लिए ही सिद्ध सूत्र नहीं। स्तम्भ तो अभी तीन और हैं- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। पहले विधायकों की बात न ले बैठना। यहां तो चुप्पी तोड़ी तो सांप और सीढ़ी का खेल चलने लगता है। जो चुना जाए, वह चाहे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का बासी हो या सबसे पुराने लोकतंत्र का, एक जाना-पहचाना लेबुल तो उसके माथे पर लगना ही है कि भ्रष्ट तरीके से वोटों की खरीदःफरोख्त कर नेता जीते हैं। जीतने वाला आरोपित है, और हारने वाला छटपटाता है। इसके बाद सांप और सीढ़ी नहीं, सत्ता की बाजी उलटने-पलटने का खेल चलता है। इसके लिए एक बहुत रुचिकर नाम ईजाद हो गया है। ह्यआया राम, और गया रामह्ल इस खेल में हर पल्टू राम सत्ता के सिंहासन का आयाराम ही बनना चाहता है। वैसे कोई इसके सत्तावृत्त से गया राम हो उन मरती जीती बस्तियों की ओर झांकना भी नहीं चाहता कि जिनकी किस्मत बदल देने का वायदा कर कल के ह्यगया रामह्ल आज जीत का सेहरा बांध ह्यआया रामह्ल बन जाते हैं। लेकिन यारों ने सत्ता का चक्रव्यूह भेदने के तरीके भी निकाल लिए। राजनीति का खेल तो मुखौटा बदलने का खेल बन गया। कब कोई आया राम गया राम बन कर शतरंज की बाजी बिगाड़ कर राजपाट का चेहरा बदल देगा, किसी को कुछ खबर नहीं होती।

-विकेश कुमार बडोला-

भारत-रूस की मित्रता लाएगी वैश्विक शांति

पुतिन-मोदी की अध्यक्षता में संपन्न 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस भेंटवार्ता से स्पष्ट है कि दोनों देश अब आगे भविष्य में सामरिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक-व्यापारिक संबंधों को भी शक्तिसंपन्न करने हेतु संकल्पबद्ध हैं। दोनों नेताओं की भेंटवाताओं से भारत-रूस की कार्यनीतिक सहभागिता को नवदिशा प्राप्त हुई है। हालांकि दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के अस्तित्व के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु विगत कुछ वर्षों में दोनों का द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है।

दो दिवसीय यात्रा पर भारत पधारे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का न केवल भारतीय शासन ने अत्यंत गरिमामयी ढंग से राजकीय सम्मान किया, अपितु देश के लोगों में भी उनके आगमन से अपार हर्ष है। पुतिन की इस यात्रा द्वारा दोनों देशों के ऐतिहासिक पारस्परिक संबंधों को एक नया विश्वसनीय आयाम प्राप्त हुआ है। हालांकि भारत-रूस के संबंध गत नौ-दस दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर विश्वास तथा सहायता पर आधारित ही रहे हैं, किंतु गत एक दशक में विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की एक नवायामी दिशा परिलक्षित होती हुई दिखाई दे रही है। इससे विश्व के देशों की नई शक्ति श्रेणी निर्धारित हो रही है। अमेरिका, चीन तथा यूरोपीय देशों की अहितकारी गुप्त नीतियों को भारत-रूस की मैत्री से कठिन चुनौतियां मिल रही हैं। संभवतः विश्व में भारत एवं रूस ही ऐसे दो देश हैं, जिनका संबंध-संयोजन स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ा। इनके मध्य उपभोक्ता उत्पादों के व्यापार में अधिक भागीदारी न होने के बाद भी, दोनों ही राष्ट्रों ने इस कारण कभी एक-दूसरे के प्रति हीनता, अनादर की भावना नहीं रखी।

इसके विपरीत भूराजनीतिक, आर्थिक, युद्धक एवं अन्य संकटों की समयावधि में दोनों ही देशों ने एक-दूसरे की बढ़चढ़ कर सहायता की है, और अभी पुतिन की इस यात्रा के बाद तो सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। पुतिन ने इससे पहले सन्‌ 2000, 2012, 2014, 2018, 2021 में पांच बार भारत की यात्रा की है। कोरोना काल के बाद उनकी यह पहली भारतीय यात्रा है। हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ होने के बाद सात बार रूस की यात्रा की है, किंतु गत सितंबर में चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर वार्ता में रूस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के समय दोनों राष्ट्राध्यक्षों के मध्य पुतिन की कार में बैठकर परस्पर व गुप्त संवाद करने का जो चित्र-चलचित्र प्रसारित हुआ था, उससे भलीभांति अवगत हो गया था कि विश्व, विशेषकर दक्षिण एशिया में अमेरिकी

कूटनीतिक प्रसारण पर प्रतिबंध हेतु अधि संभवतः रूस-भारत तथा कम संभावित रूप में रूस-भारत-चीन के बीच एक नई वैश्विक राजनीतिक समझ विकसित होने लगी है। पुतिन की भारत यात्रा की समयावधि में यह पहली बार है कि दोनों देशों की ओर से रक्षामंत्रियों, विदेशमंत्रियों एवं सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर टू प्लस टू वार्ता का आयोजन किया गया।

पुतिन-मोदी की अध्यक्षता में संपन्न 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस भेंटवार्ता से स्पष्ट है कि दोनों देश अब आगे भविष्य में सामरिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक-व्यापारिक संबंधों को भी शक्तिसंपन्न करने हेतु संकल्पबद्ध हैं। दोनों नेताओं की भेंटवाताओं से भारत-रूस की कार्यनीतिक सहभागिता को नवदिशा प्राप्त हुई है। हालांकि दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के अस्तित्व के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु विगत कुछ वर्षों में दोनों का द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है। सोवियत संघ के विघटन पर रूस की उत्पत्ति के बाद रूस-भारत का द्विपक्षीय व्यापार 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2024-25 के वित्तीय वर्ष में 68.7 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है, और अब इस शिखर वार्ता के उपरांत द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

जहां पुतिन ने भारत को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति करते रहने का आश्वासन दिया है, वहां दोनों देशों ने निवेश अनुबंधों के अंतर्गत भारतीय कंपनियों को रूस के तेल एवं गैस, औषधि व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, तो रूसी कंपनियों को भारत के ऊर्जा, अवसंरचना निर्माण तथा विनिर्माण क्षेत्रों में पहले से अधिक निवेश करने के लिए प्रेरित किया है। वार्ता में ऐसे ही विभिन्न कार्यक्षेत्रों सहित निर्बाध एवं सुगम पारस्परिक प्रवासन व गतिशीलता के 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग अधिक बढ़ेगा। शिखर वार्ता में यह संभावना प्रकट की गई है कि द्विपक्षीय सहयोग पर आधारित औषधीय उद्योग द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा बढ़ेगी तथा नवीन उद्योग विकसित होंगे। चूंकि जहां एक ओर, भारत में प्राकृतिक फाइबर, कारपेट से लेकर तकनीक आधारित वस्त्रोत्पादन की प्रचुरता, उपलब्धता है, और साथ ही साथ इनकी अभिकल्पना, कारीगरी में भी वैश्विक उपस्थिति है, वहीं दूसरी ओर रूस पॉलिमर और सिंथेटिक कच्ची सामग्री का एक बड़ा उत्पादक है। अतः दोनों देश एक साथ एक स्थायी व लाभकारी वस्त्र कारोबार कर सकते हैं। व्यापार में घनिष्ठता बढ? पर दोनों देश उर्वरक, सिरेमिक, सीमेंट, विनिर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग करते हुए नए आर्थिक आयाम प्राप्त कर सकते हैं। पुतिन ने ब्रिक्स संगठन को सशक्त करने में भारत-रूस के सहयोग पर भी ध्यानाकृष्ट किया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की अपनी-अपनी राष्ट्रीय कार्यनीति का भी समर्थन किया। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर तटस्थ बने रहने के आरोप का खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी देश की संतुलित प्रगति में सबसे बड़ा बाधक है, अतः रूस-यूक्रेन ही नहीं, अपितु विश्व में कहीं किन्हीं देशों के बीच युद्ध होना ही नहीं चाहिए।

भारत-रूस के दृढ़ संबंधों में अधिक सुदृढ़ता, डेमोक्रेट्स के राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में अमेरिका तथा अमेरिका के नेतृत्व में यूरोपीय देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बाद, पनपी है। यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे हुए रूस के बारे में अमेरिका, यूरोपीय देशों से लेकर अन्य देशों ने वैरभाव पाल लिया है। ये देश यूक्रेन की संप्रभुता, स्वायत्तता तथा शोषण के लिए तो रूस का विरोध अवश्य करते रहे हैं और निरंतर कर रहे हैं, किंतु साथ ही रूसी संप्रभु, स्वायत्त एवं राष्ट्रीय अधिकारों की उपेक्षा भी कर रहे हैं। अमेरिका ने तो रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर व्यापार शुल्क में अतिशय वृद्धि कर दी थी।

किंतु चीन, स्वयं कुछ यूरोपीय देशों तथा यहां तक कि अमेरिका ने भी अपने आर्थिक-व्यापारिक हितों के लिए रूस से कच्चा तेल सहित अन्य निर्मित व अर्द्धनिर्मित खनिजों की खरीददारी जारी रखी है। इन विरोधाभासों के बीच भारत-रूस ने पारस्परिक संबंधों, मैत्री तथा विश्वास को गहरा करने पर ही अपना ध्यान केंद्रित रखा। रूस पर अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के प्रतिबंध से उत्पन्न व्यापारिक-आर्थिक संकट में भारत ने मित्रता का कर्तव्य निभाते हुए वर्ष 2021 से लेकर 2024 तक बड़ी मात्रा में रूसी कच्चा तेल खरीदा, अपने संशोधन संयंत्रों में उसे खपतयोग्य सीमा तक संशोधित किया तथा वापस यूरोपीय देशों और यहां तक कि यूक्रेन को भी बेचना आरंभ कर दिया।

-अनुज आचार्य-

नारी अस्मिता पर अपराधों की मार

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट एक बार फिर हमारे सामने वह कठोर सच रखती है, जिसे हम अक्सर आंकड़ों की भीड़ में खो देने की कोशिश करते हैं कि भारत में नारी अस्मिता पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं और समाज के भीतर मौजूद विकृत मानसिकता किसी न किसी रूप में आज भी उतनी ही सजीव है। कानून, अभियान, जागरूकता और आधुनिकीकरण की चमक के बावजूद महिलाएं आज भी भय, हिंसा और अपमान झेलने को मजबूर हैं। वर्ष 2023 में महिलाओं से जुड़े 448211 अपराध दर्ज हुए, यह सिर्फ एक साल के आंकड़े नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के खिलाफ हो रही निरंतर हिंसा की तस्वीर है। हर दिन सैकड़ों महिलाएं अपमानित होती हैं, उनकी सुरक्षा चकनाचूर होती है और उनके आत्मसम्मान पर प्रहार किए जाते हैं। उत्तर प्रदेश में 66 हजार से अधिक मामलों का दर्ज होना, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश का पीछे न रहना और तेलंगाना, राजस्थान, ओडिशा व हरियाणा जैसे राज्यों में प्रति लाख महिलाओं पर अपराध दर 100 से ऊपर होना इस बात का संकेत है कि समस्या केवल किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहकर, गांव और शहर दोनों ही समान रूप से असुरक्षित हो चुके हैं। सबसे अधिक अपराध पति या परिजनों द्वारा की जाने वाली क्रूरता के हैं, जो कुल घटनाओं का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। यह तथ्य ही बताने के लिए काफी है कि महिला असुरक्षा का सबसे बड़ा अड्डा अक्सर घर ही बन जाता है। 88000 अपहरण के मामले, 6156 दहेज हत्याएं और 29670 बलात्कार की घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि कठोर कानूनों के बावजूद अपराधियों के मन से कानून का भय मिट चुका है।

बच्चों के खिलाफ अपराधों में 9 प्रतिशत की वृद्धि, वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ 28000 मामले और अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अपराधों में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी। यानी हमारा समाज संवेदनशीलता की परीक्षा में लगातार असफल हो रहा है। हिमाचल प्रदेश जिसे वर्षों तक शांत, सुरक्षित और अपेक्षाकृत बेहतर सामाजिक वातावरण वाला प्रदेश माना जाता रहा, अब इस राष्ट्रीय परिदृश्य से अलग नहीं रहा। जनवरी से जुलाई 2025 के भीतर ही 1070 मामले महिलाओं के खिलाफ दर्ज हुए। इनमें 319 छेड़छाड़, 290 अपहरण और 232 बलात्कार के मामले शामिल हैं। आंकड़े हर वर्ष बढ़ते जा रहे हैं, 2024 की इसी अवधि में 948 मामले दर्ज हुए थे। बलात्कार के मामलों में 21 प्रतिशत, अपहरण में 13 प्रतिशत, महिलाओं के प्रति क्रूरता में 18 प्रतिशत और सबसे ऊपर छेड़छाड़ व यौन उत्पीड? के मामलों में 52 प्रतिशत की वृद्धि। यह बढ़ोतरी सिर्फ संख्या की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक चेतना के क्षरण की है। राष्ट्रीय महिला आयोग की नारी यानी ह्लएनएआरआई 2025ह्ल की रिपोर्ट इस संकट की पुष्टि करती है। अपनी तरह का यह पहला राष्ट्रीय वार्षिक सुरक्षा सूचकांक हमें बताता है कि भारतीय शहरों में महिलाओं की वास्तविक सुरक्षा का स्तर कितना असमान है।

कोहिमा, विशाखापत्तनम और भुवनेश्वर सबसे सुरक्षित शहरों में शामिल हुए, जबकि दिल्ली, पटना और जयपुर सबसे असुरक्षित शहरों में गिने गए। 12770 महिलाओं के सर्वेक्षण पर आधारित यह रिपोर्ट न केवल आंकड़े देती है, बल्कि यह बताती है कि महिलाओं की सुरक्षा का सवाल अब सिर्फ पुलिस या प्रशासन का विषय नहीं रहा। यह हमारे सामाजिक व्यवहार, परवरिश, मानसिकता और नैतिकता से जुड़ा मुद्दा बन चुका है।

हर जिले में अनिवार्यतः फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएं और सजा का प्रावधान न केवल कठोर, बल्कि त्वरित हो। अपराधियों का सामाजिक बहिष्कार भी एक प्रभावी कदम हो सकता है, जो समाज को यह स्पष्ट संदेश दे कि महिलाओं की गरिमा पर हमला किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इसके बाद पुलिस तंत्र का आधुनिकीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। हर थाने में महिला हेल्प डेस्क, प्रशिक्षित महिला अधिकारी, 24 गुणा 7 हेल्पलाइन, सुरक्षित मोबाइल ऐप और जीपीएस आधारित आपातकालीन रिस्पॉन्स सिस्टम को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। तकनीक का उपयोग तभी सार्थक है जब वह पीड़ितों की मदद तक तेजी से पहुंचाए और मामलों की जांच में पारदर्शिता सुनिश्चित करे। समस्या का तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण आयाम है, मानसिकता का परिवर्तन। जब तक समाज बेटियों को बराबरी का अधिकार और सम्मान देना नहीं सीखेगा, तब तक कानून चाहे कितने ही कठोर क्यों न बना दिए जाएं, स्थितियां नहीं बदलेंगी। बच्चों को स्कूलों से ही लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं। वे शिक्षा, प्रशासन, स्वास्थ्य, कला, विज्ञान, सेना और राजनीति तक, हर क्षेत्र में राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

यदि इस आधी आबादी को सुरक्षा और सम्मान नहीं दिया गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी ही रह जाएगी। नारी अस्मिता पर अपराध केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशीलता और संस्कारों की सबसे बड़ी परीक्षा है। हमें तय करना होगा कि हम कैसा भारत चाहते हैं, वह जहां महिलाएं भय और असुरक्षा में जीएं, या वह जहां सम्मान, सुरक्षा और गरिमा उनकी सांसों की तरह सहज हो। महिला सुरक्षा का समाधान प्रशासन, पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता, यह हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

-मनोज कुमार अग्रवाल-

वंदे मातरम् पर विवाद देश की मूल भावना से खिलवाड़

इस से ज्यादा शर्मसार करने वाली बात क्या हो सकती है कि आज लोकतंत्र के पावन मंदिर में राष्ट्रगीत को लेकर खेमेबाजी हो रही है जबकि इस पर समूचे राष्ट्र को एकमत होना चाहिए था। वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पर चर्चा होने के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्?गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है।

आपको पता रहे वंदे मातरम को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वंदे मातरम की की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वंदे मातरम का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद मां, मैं आपको नमन करता हूं, है। आज 8 दिसंबर को सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। यह रचना, एक चिरस्थायी गान ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निमार्ताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अमर उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मील के पत्थर को मनाने का अवसर एकता, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। बंदे मातरम पर संसद में आज 8 दिसंबर सोमवार को विशेष चर्चा हुई और, ये ऐसे दौर में हो रहा है जब विपक्ष एसआईआर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा बुलेटिन में वंदे मातरम को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है। ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वंदे मातरम के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारे कर रहा है। संसद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वंदे मातरम् पर यह बहस केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। कांग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रगीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वंदे मातरम् की रचना की बात करें तो बॉकम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सात नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आजतक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वंदे मातरम् गीत को गाने या छापने पर भी बैन लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम ने ने भारत को मां दुर्गा के रूप में चित्रित किया इसमें सुफला, सुफला, मलयजशीतलाम...। यह गीत गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वंदे मातरम् की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया। उसके बाद 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन में यह नारा बन गया। कालांतर में इस गीत को लेकर मुसलमानों की तरफ से आपत्ति जताई जाने लगी। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् गायन के समय तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर मंच से उठकर चले गए थे। इस गीत को लेकर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति है कि वंदे मातरम् के जरिए उन पर हिंदू देवी देवताओं की पूजा का दवाव डाला जा रहा है। वंदे मातरम् में मंदिर और दुर्गा शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में तय किया कि राष्ट्रीय आयोजनों में इस गीत के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यही कारण रहा कि 1937 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् के केवल दो छंद ही गाए गए। उस समय से इसी नियम का पालन किया जाने लगा। आजादी के बाद इसे नियम बनाते हुए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित कर दिया। वंदे मातरम् को आज भी आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय गीत का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन सरकारी समारोहों में इसके पहले के दो छंदों का ही गायन होता है। हालांकि बाल कया था। गंगाधर तिलक ने इसे राष्ट्रीय प्रार्थना और अरविंदो घोष घोष ने मंत्र कहते हुए इसे राष्ट्रगान का दर्जा देने की की मांग की थी। यह गीत राष्ट्र गान की जगह तो नहीं ले सका लेकिन राष्ट्रगीत के तौर पर आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरणा दे रहा है। अब इसके 150 साल पूरे होने पर संसद में चर्चा कराई गई। बंदे मातरम आनंद मठ के संतानों द्वारा गाया जाने वाला गीत है। यह देशभक्ति के धर्म के प्रतीक के रूप में खड़ा था, जो आनंद मठ का केंद्रीय विषय था। अपने मंदिर में, उन्होंने मातृभूमि का प्रतिनिधित्व करने वाली मां की तीन मूर्तियां स्थापित कीं। बंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी (1838-1894) 19वीं सदी के के बंगाल बंगाल के के सब सबसे प्रमुख व्यक्तियों में से एक थे। उन्नीसवीं सदी के दौरान बंगाल के बौद्धिक और साहित्यिक इतिहास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

संक्षिप्त समाचार

पवन ऊर्जा को लेकर ट्रंप के फैसले पर अदालत ने लगाई रोक

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप के पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर रोक लगाने वाले कार्यकारी आदेश को खारिज कर दिया। मैसाचुसेट्स डिस्ट्रिक्ट के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज पैटी सारिस ने पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर रोक लगाने वाले ट्रंप के 20 जनवरी के कार्यकारी ऑर्डर को खारिज कर दिया और इसे गैर-कानूनी घोषित कर दिया। जज ने कहा कि संघीय जमीन और पानी पर पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट की लगभग सभी लीजिंग को रोकने का आदेश मनमाना है और यह अमेरिकी कानून का उल्लंघन है। सारिस ने न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटिसिया जेम्स के नेतृत्व में 17 राज्यों और वाशिंगटन, डीसी के स्टेट अटॉर्नी जनरल के एक समूह की संयुक्त याचिका के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसने ट्रंप के उस ऑर्डर को चुनौती दी थी जिसमें पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स के लिए लीजिंग और परमिट देने पर रोक लगा दी थी। ट्रंप अक्षय ऊर्जा के खिलाफ रहे हैं और बिजली बनाने के लिए जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को प्राथमिकता देते हैं। मैसाचुसेट्स अटॉर्नी जनरल एंड्रिया जॉय कैंपबेल ने इस फ़ैसले को हरित नौकरियों और अक्षय ऊर्जा की जीत बताया।

फ्लोरिडा के गवर्नर ने मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह को आतंकी संगठन घोषित किया

फ्लोरिडा , एजेंसी। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने सोमवार को अमेरिका के सबसे बड़े मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया। डेसेंटिस ने काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस और मुस्लिम ब्रदरहुड के खिलाफ एक कार्यकारी आदेश दिया है। हालांकि अमेरिकी सरकार ने अभी तक काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस और मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित नहीं किया है। यह आदेश फ्लोरिडा की एजेंसियों को निर्देश देता है कि वे दोनों समूहों और उन्हें सामान देने वालों को किसी स्टेट एग्जीक्यूटिव या कैबिनेट एजेंसी से कॉन्ट्रैक्ट और फंड लेने से रोकें। वहीं ट्रम्प ने डेसेंटिस पर इसके लिए मुकदमा करने की बात कही है। मुस्लिम ब्रदरहुड की स्थापना लगभग एक सदी पहले मिस्र में हुई थी और इसकी दुनिया भर में ब्रांच हैं। इसके नेताओं का कहना है कि इसने दशकों पहले हिंसा छोड़ दी थी और अब यह चुनावों और दूसरे शांतिपूर्ण तरीकों से इस्लामी राज स्थापित करना चाहता है। आलोचक, जिनमें पश्चिम एशिया इलाके की तानाशाह सरकारें भी शामिल हैं, इसे एक खतरा मानते हैं।

अफगानों पर पाकिस्तान के हमलों की निंदा

काबुल, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान की ओर से अफगान नागरिकों पर किए गए ताजा हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा, हम सीमा पर हुई झड़पों की खबरों से अवगत हैं, जिनमें कई अफगान नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत, अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह हमला दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम समझौते के दो महीने से भी कम समय बाद हुआ है।

संसद पुनर्स्थापना की मांग पर नेपाली कांग्रेस पहुंची शीर्ष कोर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना की मांग पर नेपाली कांग्रेस (नेकां) भी सुप्रीम कोर्ट गई है। पार्टी के मुख्य सचेतक श्याम घिमिरे ने बताया कि कांग्रेस ने वकील के जरिये पूर्व महान्यायाधिवक्ता खम्म खाती को इसी मांग पर सुप्रीम कोर्ट भेजा है। खाती कांग्रेस के निर्वाचन समिति संयोजक भी हैं। घिमिरे ने कहा, संसद पुनर्स्थापना की मांग हमारे लिए बेहद जरूरी है। इससे पहले नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) भी इसके लिए रिट याचिका दायर कर चुकी है।

पाकिस्तान : सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। गोलीबारी में एक सुरक्षा अधिकारी भी मारा गया और तीन घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के खिलाफ यह ऑपरेशन अफगानिस्तान की सीमा से सटे मोहमंद कबायली जिले के सोरन दर्रा इलाके में शुरू किया गया था। गोलीबारी थमने के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया।

ट्रम्प बोले- भारत के कारण अमेरिकी किसानों को घाटा:सस्ता चावल भेज रहा

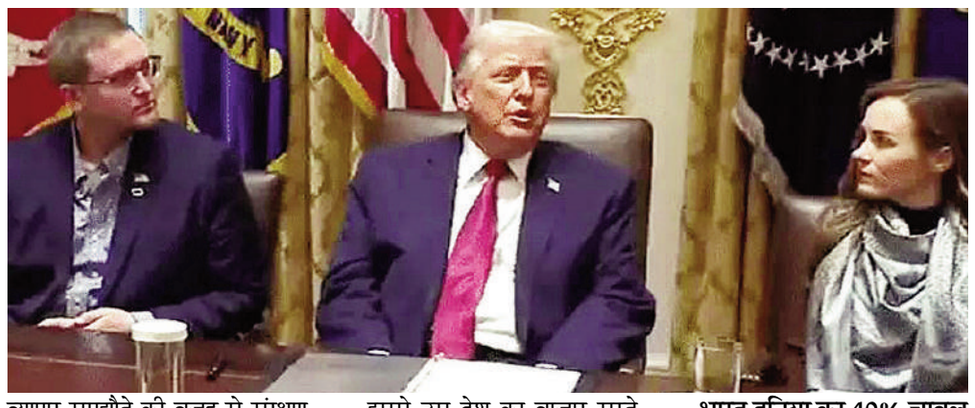

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका भारत से आने वाले चावल और कनाडा से आने वाली खाद पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। उनका कहना है कि दूसरे देशों से आने वाला सस्ता सामान अमेरिकी किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। ट्रम्प ने यह बात सोमवार को व्हाइट हाउस में उस समय कही, जब वे किसानों के लिए नई आर्थिक मदद की घोषणा कर रहे थे। ट्रम्प ने कहा कि भारत, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देश अमेरिका में बहुत सस्ता चावल बेच रहे हैं, जिससे यहां के किसानों की कमाई कम हो रही है।

उन्होंने इसे 'डंपिंग' बताया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। ट्रम्प ने अपने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से पूछा कि क्या भारत को चावल के मामले में किसी तरह की छूट मिली हुई है। मंत्री ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर अभी बातचीत चल रही है।

कनाडाई फर्टिलाइजर पर भी टैरिफ लग सकता है : ट्रम्प ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका कनाडा से आने वाली खाद पर भी कड़े टैरिफ लगा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सी खाद कनाडा से आती है। अगर यह बहुत सस्ती हो गई तो हम उस पर सख्त टैरिफ लगा देंगे। कनाडा ,अमेरिका को पोटाश खाद की सबसे ज्यादा सप्लाई करता है। अब तक इसे व्यापार समझौते की वजह से संरक्षण मिला हुआ है।

अमेरिका में महंगाई और बढ़ती कीमतों की वजह से ट्रम्प पर दबाव बढ़ रहा है। किसान भी बढ़ती लागत से परेशान हैं। अगर खाद पर नया टैरिफ लग गया तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। अमेरिका ने हाल ही में पोटाश और फॉस्फेट को क्रिटिकल मिनरल्स की लिस्ट में शामिल किया था, ताकि उनकी सप्लाई बनी रहे, लेकिन किसान अभी भी इसे लेकर परेशान हैं।

आसान भाषा में डंपिंग का मतलब जानिए : डंपिंग का मतलब है कि कोई देश अपनी चीजें दूसरे देश में बहुत ही कम दाम पर बेचता है। यह इतना कम होता है कि वहां की लोकल कंपनियां और किसान उस कीमत पर सामान बना ही नहीं पाते।

इससे उस देश का बाजार सस्ते विदेशी माल से भर जाता है और स्थानीय लोगों का कारोबार नुकसान में चला जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे लोकल मार्केट पर विदेशी कंपनियों या प्रोडक्ट का कब्जा हो जाता है। अगर ट्रम्प भारतीय चावल पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगा देते हैं तो भारत से अमेरिका जाने वाला चावल काफी महंगा हो जाएगा। इससे वहां भारतीय चावल खरीदने वाले लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि कीमतें बढ़ जाएंगी। साथ ही भारत के उन किसानों और निर्यातकों को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है, जो अपनी फसल का बड़ा हिस्सा अमेरिका भेजते हैं। महंगा होने की वजह से अमेरिकी बाजार में भारतीय चावल की मांग कम हो सकती है।

भारत दुनिया का 40% चावल एक्सपोर्ट करता है : भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक देश है। सस्ते घरेलू चावल और बड़े भंडार की वजह से भारत दुनिया भर में लगभग 40% चावल एक्सपोर्ट करता है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का कुल चावल निर्यात लगभग 15 मिलियन टन तक पहुंच गया था। भारत मुख्य तौर पर दो तरह के चावल एक्सपोर्ट करता है बासमती और गैर-बासमती। 2023 में पश्चिम अफ्रीकी देश गैर-बासमती चावल के सबसे बड़े खरीदार थे, जबकि बासमती चावल के सबसे बड़े खरीदार मिडिल ईस्ट के देश सऊदी अरब, ईरान और इराक थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, 2023 में भारत ने अमेरिका को लगभग 281,873 टन चावल एक्सपोर्ट किया था।

पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हुआ

ढाका, एजेंसी। नोबेल विजेता युनूस ने बड़े दमखम के साथ बांग्लादेश का नेतृत्व संभाला था। लेकिन फिलहाल उनके नेतृत्व में बांग्लादेश भी पाकिस्तान के कंगाली वाले रास्ते पर जाता दिखाई दे रहा है। पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हो गया है। इसके साथ ही बांग्लादेश भी उन देशों की कतार में आ गया है, जो विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। इस बात की जानकारी रविवार को अंतर्राष्ट्रीय कर्जों पर वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में हुई है। इसके मुताबिक पिछले पांच साल में बांग्लादेश के ऊपर सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विदेशी कर्जों पर किस्त भुगतान, मूलधन और ब्याज दोनों पर दोगुना हो गया है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश पिछले कई साल से बाहरी कर्ज के बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है। सरकार ने विदेशी कर्ज की बदौलत बड़ी परियोजनाएं लागू की हैं। इनमें परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मेट्रो रेल, पावर प्लांट, हवाई अड्डा टर्मिनल, अंडरवाटर टनल और ऊंची एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इन परियोजनाओं में से कई के ऋण की अदायगी पहले ही शुरू हो चुकी है, वहीं कई अन्य को जल्द ही भुगतान किया जाना है।

बढ़ते ऋण बोझ के बारे में पूछे जाने पर, वर्ल्ड बैंक के ढाका कार्यालय के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री जाहिद हुसैन ने प्रोथम आलो को बताया कि विदेशी उधार और ऋण चुकाने का दबाव कोविड-19 काल से बढ़ रहा है। उन्होंने कहाकि हमारे विकास में जो साझेदार हैं, अब वो कड़ी शर्तें लगा रहे हैं। इनमें कम ग्रेस पीरियड, घटा हुआ मैच्योरिटी टाइम और उच्च ब्याज दरें शामिल हैं, और इसके परिणामस्वरूप, मूलधन और ब्याज भुगतान का बोझ महत्वपूर्ण और लगातार बढ़ रहा है।

जाहिद हुसैन ने आगे बताया कि विदेशी कर्ज से बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर काफी दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहाकि पहले विश्व बैंक और आईएमएफ की ऋण स्थिरता रिपोर्टों में बांग्लादेश लो रिस्क कैटेगरी में था। लेकिन अब यह मध्यम श्रेणी में आ गया है।

लंदन: हीथ्रो हवाई अड्डे पर मिर्च स्प्रे हमले में ब्रिटेन पुलिस ने 2 और गिरफ्तारियां कीं

लंदन , एजेंसी। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर हुई घटना की जांच कर रही ब्रिटेन की पुलिस ने सोमवार को दो और गिरफ्तारियां कीं। इस घटना में सप्ताहांत में मिर्च स्प्रे के हमले में 21 लोग मामूली रूप से घायल हो गए थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि डकैती और हमले के संदेह में गिरफ्तार 24 वर्षीय व्यक्ति और डकैती की साजिश के संदेह में गिरफ्तार 23 वर्षीय महिला अभी भी हिरासत में हैं।

रविवार को घटनास्थल के निकट डकैती और हमले के संदेह में गिरफ्तार किए गए 31 वर्षीय व्यक्ति को 'जांच के तहत' छोड़ दिया गया है, जबकि पुलिस जांच जारी है। मेट पुलिस ने एक बयान में कहा, 'जांच शुरू की गई, जिसमें पता चला कि हमले से पहले, कार पार्क की लिफ्ट से बाहर निकलने पर दो महिलाओं के सूटकेस लूट लिए गए थे।' पुलिस ने बताया, 'लूट के दौरान, बदमाशों ने महिलाओं पर मिर्च स्प्रे जैसा कोई पदार्थ छिड़का। इस पदार्थ का असर आसपास के लोगों पर पड़ा और उन्हें मामूली चोटें आईं।' ये गिरफ़्तारियां पश्चिम लंदन हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 बहुमंजिला पार्किंग में हुए हमले और डकैती के बाद हुईं। लंदन एम्बुलेंस सेवा ने 21 लोगों का इलाज किया, जिनमें से पांच को पास के अस्पताल ले जाया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई।

ऑस्ट्रेलिया में जंगल में लगी आग का कहर जारी 40 घर तबाह

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में वन आग के कारण रविवार को दो प्रांतों के लगभग 40 घर तबाह हो गए और इसे काबू करने की कोशिश में एक दमकलकर्मी की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि न्यू साउथ वेल्स के बुलादेला शहर के पास रविवार की रात आग बुझाते समय 59 वर्षीय व्यक्ति के ऊपर पेड़ गिर गया और उन्हें बचाया नहीं जा सका। ग्रामीण अग्निशमन सेवा के प्रमुख कमिश्नर ट्रेंट कर्टिन ने बताया कि आग ने 3,500 हेक्टेयर जंगल को तबाह कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति एआई पर जारी करेंगे 'वन रूल' वाला ऑर्डर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राज्य अलग-अलग कानून बनाकर टेक कंपनियों के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा कर दी है कि इस सप्ताह वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए एक ही नियम (One Rule) वाला एक महत्वपूर्ण कार्यकारी आदेश जारी करने जा रहे हैं। ट्रंप ने सोमवार को खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि मैं इस हफ्ते एआई के लिए एक नियम वाला कार्यकारी आदेश जारी करूंगा। अपनी पोस्ट में आगे उन्होंने कहा कि इस समय हम दुनिया के सभी देशों से काफी आगे हैं, लेकिन अगर हमारे 50 राज्य, जिनमें से कई में बहुत बुरे लोग बैठे हैं, अलग-अलग नियम बनाने और मंजूरी देने में लगे रहे, तो यह बढ़त ज्यादा दिन नहीं टिकेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि एआई अपनी शुरुआती अवस्था में ही नष्ट हो जाएगा। बताया जा रहा है कि यह कदम ट्रंप का एआई नीति पर अपनी मजबूत छाप छोड़ने का ताजा प्रयास है। उनका स्पष्ट मानना है कि 50 अलग-अलग राज्य स्तर के नियमों का जाल अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुपालन को असंभव बना देगा और नवाचार को मार डालेगा। तकनीकी उद्योग के बड़े नेता लंबे समय से राज्य-दर-राज्य विनियमन के खिलाफ बोलते रहे हैं। इस लिहाज से यह आदेश उनके लिए बड़ी जीत होगी। बता दें कि ट्रंप और टेक दिग्गजों ने बार-बार चेतावनी दी है कि अलग-अलग राज्य कानून नवाचार रोक देंगे और अनुपालन को बेहद जटिल बना देंगे। हालांकि, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स सहित कई रिपब्लिकन गवर्नरों ने इस कदम की आलोचना की है। वे इसे राज्यों के अधिकारों पर हमला मानते हैं। माना जा रहा है कि किसी भी ऐसे कार्यकारी आदेश को तुरंत कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं, वाइट हाउस की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने सोमवार को सीएनबीसी को बताया कि उन्होंने इस आदेश का मसौदा देख लिया है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य इन कंपनियों को अपने कंट्रोल में रखना चाहते हैं। आने वाला कार्यकारी आदेश यह साफ कर देगा कि अमेरिका में अमेरिकी कंपनियों के लिए सिर्फ एक ही नियम होगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने देखे गए संभावित आदेश के मसौदे में न्याय विभाग को उन राज्यों के खिलाफ मुकदमा करने की शक्ति दी जाएगी जिनके एआई कानून संघीय सरकार असंवैधानिक मानती है। साथ ही, जिन राज्यों के नियम बहुत सख्त या बोझिल होंगे, उन्हें संघीय फंडिंग में कटौती भी की जा सकेगी।

जापान में आए 7.5 तीव्रता के भूकंप से 30 लोग घायल, अधिकारियों ने बड़े झटकों की चेतावनी दी

टोक्यो, एजेंसी। जापान में आए 7.5 तीव्रता वाले भूकंप की वजह से 30 लोगों के घायल होने की खबर है। इसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को दी। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप सोमवार को स्थानीय समय के मुताबिक रात 11:15 पर आओमोरी प्रीफेक्चर के पूर्वी तट पर आया। भूकंप का केंद्र 54 किलोमीटर नीचे था। क्योडो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंसी ने चेतावनी दी कि इस झटके के बाद आने वाले दिनों में उसी इलाके में इसी तरह या उससे भी ज्यादा तीव्रता वाला भूकंप आ सकता है। जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने प्रभावित इलाकों के लोगों से अगले एक-दो सप्ताह

तक स्थानीय अधिकारियों और मौसम एजेंसी से अपडेट के लिए अलर्ट रहने और आने वाले भूकंप के लिए तैयार रहने को कहा है। स्थानीय लोगों को पर्याप्त मात्रा में घर के जरूरी सामान को रखने को कहा गया है। एजेंसी के मुताबिक, भूकंप होक्काइडो और उत्तर-पूर्वी जापान के तटों से लगी एक खाई के पास आया। यह एक ऐसा जोन है जहां पैसिफिक प्लेट के होंशू मुख्य द्वीप के नीचे खिसकने से बड़े भूकंप आ सकते हैं। मौसम विज्ञान एजेंसी ने बाद में भूकंप की तीव्रता को पहले के 7.6 के अनुमान से बदल दिया और झटके के बाद 3 मीटर तक ऊंची सुनामी लहरों की चेतावनी जारी की। इवाते प्रीफेक्चर में सबसे ऊंची सुनामी लहरें 70 सेंटीमीटर तक पहुंच गईं। भूकंप के लगभग साढ़े तीन घंटे बाद, सुनामी की चेतावनी जारी की गई जिसे मंगलवार सुबह 6:20 में हटा लिया गया। आओमोरी के कुछ हिस्सों में भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता स्केल 7 पर 6 से ज्यादा दर्ज की गई। झटके के बाद, मौसम एजेंसी ने खाई के पास एक बड़े भूकंप के लिए एक खास अलर्ट जारी किया, जिसे 'ऑफ द कोस्ट ऑफ होक्काइडो एंड सैनरिकु सबसीक्वेंट अर्थक्वेक एडवाइजरी' के नाम से जाना जाता है, जो 7.0 या उससे ज्यादा की तीव्रता वाले भूकंप के बाद सक्रिय होता है।

पुतिन के बाद अब जेलेंस्की भारत आ सकते हैं : अगले महीने का प्लान

कीव/नई दिल्ली, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बाद अब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अगले महीने भारत दौरे पर आ सकते हैं। हालांकि अभी तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। जेलेंस्की का यह पहला भारत दौरा होगा। यूक्रेन के राष्ट्रपतियों ने 1992, 2002 और 2012 में अब तक सिर्फ तीन बार भारत दौरा किया है। विक्टर यानुकोविच आखिरी यूक्रेनी राष्ट्रपति थे, जो 2012 में भारत आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत, रूस और यूक्रेन बीच संतुलन बनाए रखना चाहता है। 2024 में भी भारत ने ऐसा ही किया था। पीएम मोदी पहले मॉस्को गए और पुतिन से मिले थे और कुछ ही हफ्तों बाद वे कीव जाकर जेलेंस्की से मिले थे। भारत और यूक्रेन के अधिकारियों के बीच पिछले कई हफ्तों से बातचीत चल रही है। यह बातचीत पुतिन की यात्रा से पहले ही शुरू हो गई थी।

जेलेंस्की का भारत दौरा कई फैक्टर पर निर्भर करेगा : रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेलेंस्की का दौरा कब और कैसे होगा यह कई बातों पर निर्भर करेगा, जैसे कि ट्रम्प की नई शांति योजना किस दिशा में जाती है, युद्ध की स्थिति कैसी रहती है और यूक्रेन की राजनीति कैसे आगे बढ़ती है, क्योंकि इस समय वहां जेलेंस्की सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों से दबाव में है। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से पीएम मोदी, पुतिन और जेलेंस्की दोनों से लगातार बात करते रहे हैं। फोन कॉल हों या अंतरराष्ट्रीय बैठकें दोनों नेताओं के साथ उनका संपर्क बना रहा है।

पीएम मोदी ने जेलेंस्की को भारत आने का न्योता दिया था : पीएम मोदी अगस्त 2024 में यूक्रेन दौरे पर पहुंचे थे। तब उन्होंने जेलेंस्की को भारत आने का न्योता दिया था। बैठक में मोदी ने कहा था कि भारत हमेशा से शांति के पक्ष में रहा है। मैं कुछ दिन पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिला था। तब मैंने कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है। मोदी और जेलेंस्की के बीच यूक्रेन के मैरिंस्की पैलेस में करीब 3 घंटे बैठक हुई थी। बाद में यूक्रेनी राष्ट्रपति ने मीडिया से कहा था कि भारत एक बड़ा देश है, उसका प्रभाव अधिक है। भारत पुतिन को रोक सकता है। भारत अपनी भूमिक निभाएगा।

चिंता जताने के बावजूद पाकिस्तान को पैसे देते जा रहा आईएमएफ, अब जारी किए 1.2 अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान की आर्थिक अस्थिरता और सुधारों में कमी पर चिंता जताने के बावजूद देश को 1.2 अरब डॉलर की नई किस्त जारी कर दी है। यह राशि पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने और महंगाई को नियंत्रित करने में सहायक होगी, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम दीर्घकालिक सुधारों के बिना जोखिम भरा हो सकता है।

आईएमएफ ने सोमवार को पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर की तीसरी किस्त जारी करने की घोषणा की। यह धनराशि उन दो कार्यक्रमों के तहत दी गई है, जिनका उद्देश्य देश में आर्थिक सुधारों को समर्थन देना और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना है। इस ताजा किस्त के साथ वाशिंगटन स्थित संस्था द्वारा इस्लामाबाद को अब तक कुल 3.3 अरब डॉलर जारी किए जा चुके हैं। आईएमएफ के उप प्रबंध निदेशक नाइजल क्लार्क ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान द्वारा लागू किए गए सुधारों ने हालिया झटकों के बावजूद मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विशेष रूप से इस वर्ष की मॉनसून बाढ़ों का उल्लेख किया, जिनमें सितंबर तक 1,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

क्लार्क ने कहा कि पाकिस्तान सरकार द्वारा प्राथमिक राजकोषीय संतुलन लक्ष्य को हासिल करने की प्रतिबद्धता, साथ ही बाढ़ प्रभावितों को जरूरी आपात सहायता प्रदान करना, उनकी वित्तीय विश्वसनीयता को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, आईएमएफ अधिकारी ने सरकार से आर्थिक डेटा कलेक्शन में सुधार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण और निवेश को बढ़ावा देने जैसे प्रमुख सुधारों की गति तेज करने का आग्रह भी किया।

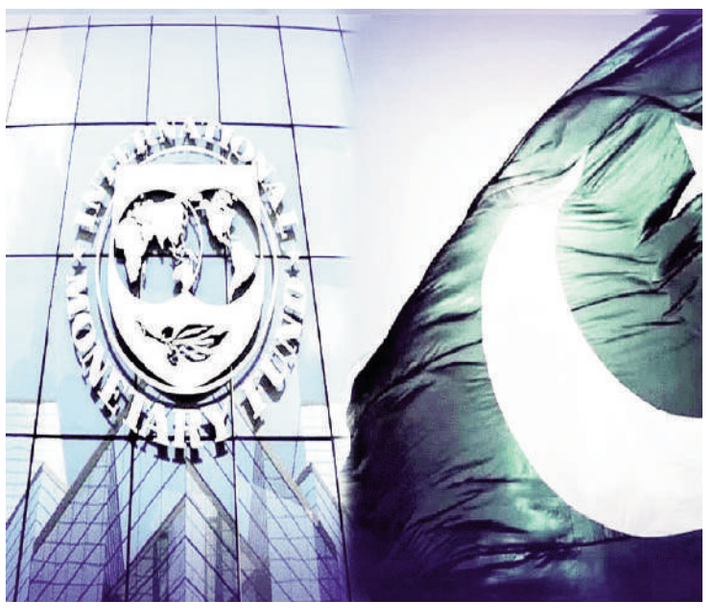

गंभीर आर्थिक संकट में फंसा पाकिस्तान : पाकिस्तान पिछले कई वर्षों से लंबे आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। विदेशी कर्ज पर भारी निर्भरता रखने वाला देश 2023 में डिफॉल्टर होने से बाल-बाल बचा। तब 2024 में आईएमएफ द्वारा 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की मंजूरी मिली थी। दक्षिण एशियाई यह देश अर्जेंटीना और यूक्रेन के बाद आईएमएफ का तीसरा सबसे बड़ा देनदार है। वित्तीय मोर्चे पर राहत पाने के लिए पाकिस्तान ने जनवरी 2024 में विश्व बैंक से 10 वर्षों के लिए 20 अरब डॉलर के वित्तीय पैकेज पर भी समझौता किया था। आईएमएफ की ताजा किश्त से पाकिस्तान को विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिर रखने और सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार वास्तविक आर्थिक सुधारों को तेजी से लागू किए बिना स्थिति में स्थायी सुधार की संभावना अभी सीमित है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फ़ंड ऑफ फ़ंड

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने आज एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फ़ंड ऑफ फ़ंड लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड फंड ऑफ फंड्स स्कीम है, जो गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स की यूनिट्स में निवेश करेगी। नया फंड ऑफर 10 दिसंबर 2025 से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 22 दिसंबर 2025 को बंद होगा। इस नए फ़ंड के लॉन्च पर बोलते हुए, एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ श्री बी. गोपकुमार ने कहा- सोना और चांदी ऐतिहासिक रूप से मुद्रास्फीति और मुद्रा अस्थिरता के खिलाफ प्रभावी सुरक्षा प्रदान करते रहे हैं और पोर्टफोलियो को विविधता देने में सहायता करते हैं। एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फ़ंड ऑफ फ़ंड के माध्यम से, हम निवेशकों को इन कीमती धातुओं में एक्सपोज़र प्राप्त करने का सरल और किफायती तरीका दे रहे हैं, वह भी फिजिकल स्वामित्व की जटिलताओं के बिना।

पब्लिक ऑफर के माध्यम से 50.92 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रही है

अहमदाबाद एजेंसी। एचआरएस अलुग्लेज़ लिमिटेड, जो एल्युमिनियम उत्पादों के डिजाइन, निर्माण और इंस्टॉलेशन में संलग्न है, अपनी पब्लिक ऑफर से 50.92 करोड़ रुपये तक जुटाने की तैयारी में है। यह पब्लिक ऑफर 11 दिसंबर 2025 को खुलेगा और 15 दिसंबर 2025 को बंद होगा। इस ऑफर के लीड मैनेजर क्यूम्युलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड हैं। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे।50.92 करोड़ रुपये का यह आईपीओ 53.04 लाख इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू से बना है, जिसमें 2.748 लाख शेयरों का मार्केट मेकर पोर्शन शामिल है। सार्वजनिक निवेशकों को कुल 50.29 लाख इक्विटी शेयर पेश किए जाएंगे, जिनका फेस वैल्यू 10 रुपये है, और प्राइस बैंड 94-96 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय में से 18.30 करोड़ रुपये राजोदा, अहमदाबाद में फसाड वर्क के लिए असेंबली और ग्लास ग्लेज़िंग लाइन स्थापित करने हेतु फंडिंग केपिट पर खर्च किए जाएंगे, 19 करोड़ रुपये वर्किंग केपिटल्स की जरूरतों के लिए उपयोग होंगे, और शेष राशि सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए रहेगी। रिटेल श्रेणी में कुल 17.85 लाख शेयर उपलब्ध हैं।

नया ट्रेंडसेटर एक्सयूवी700 की विरासत को आगे बढ़ाने को तैयार

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी अगली बड़ी पेशकश— एक्सयूवी 7एक्सओ —के नाम की घोषणा की। एक्सयूवी700 की विरासत पर बनी, जिसने सिर्फ चार वर्षों में 300,000 से अधिक गर्वित मालिकों के साथ भारत में एसयूवी सेगमेंट में क्रांति ला दी थी, एक्सयूवी 7एक्सओ उन सभी चीजों को ऊपर उठाती है जिसने एक्सयूवी700 को गेमचेंजर बनाया था। प्रेरित करने के लिए तैयार की गई और रोमांच पैदा करने के लिए इंजीनियर की गई, यह एक्सयूवी700 की सिद्ध खूबियों को बेहतरीन डिज़ाइन, टेक्नोलॉजी, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस के साथ जोड़ती है—एक ऐसी एसयूवी प्रदान करती है जो न केवल विकसित हुई है, बल्कि वास्तव में असाधारण है।

घरों की कीमतें दो वर्षों में छह फीसदी की दर से बढ़ेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। मकानों की कीमतें दो वर्षों में 6 फीसदी की दर से बढ़ेंगी। लेकिन वर्तमान में बाजार को गति देने वाले लग्जरी क्षेत्र में तेजी पांच वर्षों में समाप्त हो जाएगी। घरों की औसत कीमतें पिछले दशक में दोगुनी से भी ज्यादा बढ़ी हैं। पिछली तिमाही की तुलना में थोड़ी कमजोर रही। सर्वे के मुताबिक, ये पूर्वानुमान भारत में 8.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि की पृष्ठभूमि में आए हैं, जिसने अधिकांश समकक्षों को पीछे छोड़ दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस तेजी का लाभ असमान रूप से उच्च आय वालों को मिला है।

ट्रूकॉलर ने पूरे परिवार को फ़ोन पर होने वाले स्कैम से बचाने के लिए लॉन्च किया फैमिली प्रोटेक्शन

फैमिली प्रोटेक्शन सीधे एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध ट्रूकॉलर ऐप में मौजूद है

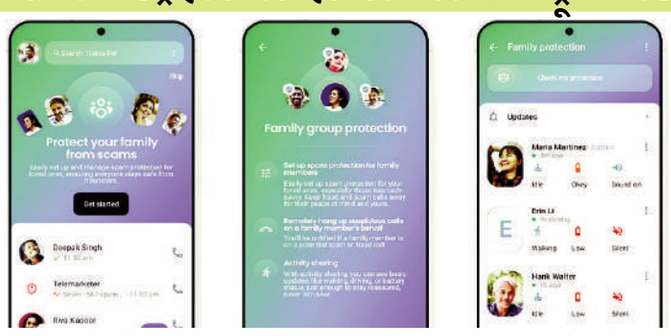

मुंबई, एजेंसी। ट्रूकॉलर ने आज एक नए और बेहद महत्वपूर्ण फीचर, यानी फैमिली प्रोटेक्शन के लॉन्च की घोषणा की, ताकि परिवार अपने अनुभवों को एक-दूसरे से साझा करके इस डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रह सकें। फैमिली प्रोटेक्शन सीधे एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध ट्रूकॉलर ऐप में मौजूद है, जिससे यूज़र्स को भरोसेमंद फ़ैमिली ग्रुप बनाने की सुविधा मिलती है ताकि उन्हें स्कैम और अनचाहे कॉल से तुरंत सुरक्षा मिल सके। एंड्रॉइड की बात करें, तो फ़ैमिली एडमिनिस्ट्रेटर को उस फैमिली ग्रुप के दूसरे सदस्यों के फोन पर आने वाले संभावित स्कैम कॉल का अलर्ट मिल सकता, और वो ऐसे कॉल को दूर बैठे ही बंद कर सकता है।

इस मौके पर ट्रूकॉलर के सीईओ, ऋषित झुनझुनवाला ने कहा, ट्रूकॉलर का इस्तेमाल तो परिवार के सदस्य पहले से ही कर रहे हैं, और अब हमने परिवार के सीटीओ को यह सुविधा उपलब्ध कराई है कि वे कम तकनीकी समझ वाले सदस्यों की भी सुरक्षा कर सकें। धीरे-धीरे स्कैम के तरीके बदल रहे हैं, इसलिए हम ट्रूकॉलर को ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बनाना चाहते हैं, जिस पर परिवार मन की शांति और एहतियाती सुरक्षा के लिए भरोसा करें। फ़ैमिली प्रोटेक्शन के ज़रिये ज़्यादा-से-ज़्यादा पाँच लोग ही एक भरोसेमंद फ़ैमिली ग्रुप में जुड़ सकते हैं, जहाँ शेयर किए गए टूल्स उन्हें स्कैम कॉल से सुरक्षित रहने में मदद करते हैं। हर ग्रुप में एक फ़ैमिली एडमिन होता है, जो प्रोटेक्शन लेवल सेट कर सकता है, ब्लॉकलिस्ट को मैनेज कर सकता है, साथ ही अनचाहे कॉल्स को संभालने के बारे में भी निर्देश दे सकता है। एंड्रॉइड की बात करें, तो एडमिन संदिग्ध कॉल आने पर रियल-टाइम सपोर्ट टूल्स का इस्तेमाल करके भी कार्रवाई कर सकता है। इसका उद्देश्य बेहद सरल है- टेक्नोलॉजी की कम जानकारी रखने वाले अपनों के लिए स्कैम कॉल्स से बचाव को आसान बनाना, क्योंकि स्कैम कॉल के तरीके लगातार बेहतर हो रहे हैं। फ़ैमिली प्रोटेक्शन में फ़ैमिली एडमिन को पूरे ग्रुप में सुरक्षा बनाए रखने के लिए टूल्स का एक सेट मिलता है। फ़ैमिली एडमिन सुरक्षा के स्तर तय कर सकता है और उसे अपडेट कर सकता है, ब्लॉकलिस्ट संभाल सकता है और ज़रूरत के समय रिमोट सपोर्ट टूल का इस्तेमाल कर सकता है। एंड्रॉइड पर, एडमिन को संभावित स्कैम कॉल के दौरान अलर्ट भी मिल सकता है, दूर से ही फैमिली ग्रुप में आने वाले संदिग्ध कॉल की जानकारी प्राप्त कर सकता है,।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 426, निफ्टी 140 अंक ऊपर आया

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के बाद भी ऑटो और मेटल शेयरों में खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 426.86 अंक बढ़कर 84,818.13 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.55 अंक ऊपर आकर 25,898.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ऑटो और मेटल शेयरों में सबसे अधिक उछला आया। निफ्टी ऑटो 1.11 फीसदी और निफ्टी मेटल 1.06 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.30 अंक बढ़कर 59,578.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 137.90 अंक ऊपर आकर 17,228.05 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एमएंडएम, ट्रेंट, एचसीएल टेक और एचयूएल के शेयरा लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट खुला। सुबह 9:18 पर सेंसेक्स 12 अंक की मामूली गिरावट के साथ 84,379 और निफ्टी 2 अंक की कमजोरी के साथ 25,762 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने दिन की शुरुआत 84,456 अंकों पर की। हालांकि खुलते ही इसमें हल्की कमजोरी और तेजी का दौर दिखा यह मात्र 16.36 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 84,407.63 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 25,771 पर खुलने के बाद शुरुआती व्यापार में उतार-चढ़ाव दिखाया। सुबह निफ्टी 31.80 अंकों की बढ़त लेकर 25,789.80 पर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के लगातार तीसरी बार 0.25 फीसदी की ब्याज दर कटौती से भी बाजार पर प्रभाव पड़ा है।

भारत की विश्व कप जीत का जश्न तनिष्क एक्सचेंज के माध्यम से भारत के अपने सोने के साथ मनाया

मुंबई, एजेंसी। भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा समूह का एक हिस्सा, तनिष्क भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रहा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अटूट कौशल, दृढ़ संकल्प और साहस का प्रदर्शन करते हुए पूरे देश की उम्मीदों को पूरा किया। उनकी यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं बल्कि साहस, दृढ़ता, टीम वर्क, और पूरे भारत में महिलाओं की असीमित क्षमता को दर्शाती है। बाधाओं को तोड़कर और देश भर की युवा लड़कियों को प्रेरित करके, भारतीय महिला क्रिकेट टीम राष्ट्रीय गौरव का एक सच्चा प्रतीक बन गई हैं। उनकी इस जीत ने पूरे देश में प्रशंसा और खुशी की लहर पैदा कर दी है।

दशकों से, तनिष्क ने पूरे भारत में महिलाओं की कहानियों और उन्होंने हासिल किए हुए पड़ावों को दर्शाया है। अपनी स्थापना से लेकर आज तक, यह ब्रांड हर महिला की यात्रा को सशक्त बनाने और समर्थन देने के लिए खड़ा रहा है। इसी भावना में, भारतीय महिला क्रिकेट टीम के तनिष्क ब्रांड द्वारा किए जा रहे सम्मान ने एक विशेष रूप लिया है। तनिष्क ने देश भर के परिवारों द्वारा एक्सचेंज किए गए सोने से बनी अंगूठियों के माध्यम से उन्हें सम्मानित किया है। यह अंगूठियाँ प्रत्येक भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी को उनकी उल्लेखनीय जीत के उपलक्ष्य में उपहार में दी गईं। यह एक सार्थक भाव है जो भारतीय घरों को उन महिलाओं से जोड़ता है जिन्होंने देश को गौरवान्वित किया, यह भारत का ही एक हिस्सा है जिसे भारतीय विजेताओं के लिए फिर से तैयार किया गया है। टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीज़न के सीईओ, श्री अजॉय चावला ने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने देश को ऐसा गौरव प्रदान किया है जिसे आने वाली कई पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। उनका धैर्य, दृढ़ संकल्प और जिस तरह से उन्होंने 1.4 अरब लोगों की उम्मीदों को पूरा किया, वह यक़ीनन असाधारण है। तनिष्क की ये अंगूठियाँ उनकी भावना, प्रतिबद्धता और सफलता का सम्मान करने का हमारा तरीका हैं – इन्हें उस रिसाइकल्ड सोने से बनाया गया है जिसे लाखों ग्राहकों ने हमारे पास एक्सचेंज किया है। हर एक अंगूठी में देश का एक हिस्सा शामिल है, ठीक वैसे ही जैसे टीम देश का गौरव अपने दिल के करीब रखती है।

इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस ने सिट्रोइन इंडिया के साथ साझेदारी की

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (जो पहले रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी) ने आज सिट्रोइन इंडिया के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह साझेदारी ग्राहकों को अधिक सुविधा, भरोसा और सुरक्षा देने के लिए की गई है, ताकि हर सिट्रोइन ग्राहक पहले दिन से ही निश्चिंत ड्राइविंग का अनुभव कर सके। इस साझेदारी के ज़रिए हम ग्राहकों को अनोखी लचीलापन और विकल्प दे रहे हैं, जिसमें कस्टमाइज्ड मोटर इंश्योरेंस समाधान की व्यापक रेंज शामिल है। अभिनव कवरेज विकल्पों से लेकर आसान, डिजिटल-फर्स्ट क्लेम प्रक्रियाओं तक हम पूरे ओनरशिप अनुभव में गति, पारदर्शिता और पूर्ण मानसिक शांति सुनिश्चित करते हैं। हम अपना मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण लेकर आ रहे हैं, जो तेज़, कैशलेस क्लेम सेटलमेंट और पूरे भारत में प्रभावी सर्विस सपोर्ट सुनिश्चित करता है। चाहे ग्राहक शहरी क्षेत्र में हों या दूरदराज़ के इलाके में, अब सिट्रोइन मालिकों को तेज़ सेवा, कम तनाव और अनावश्यक देरी के बिना मदद मिलेगी। साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पहले रिलायंस जनरल इंश्योरेंस) के सीईओ राकेश जैन ने कहा- हम सिट्रोइन इंडिया के साथ साझेदारी करके ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा और सुविधा प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। अपनी डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच और विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से, हमारा लक्ष्य इंश्योरेंस को सिर्फ एक आवश्यकता नहीं, बल्कि एक मूल्य-वर्धित अनुभव बनाना है, जो कार ओनरशिप को और बेहतर करे।

बोधि ट्री का एच1 एफवाय26 में 185 प्रतिशत मुनाफ़ा उछाल

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी कंटेंट प्रोडक्शन कंपनियों में से एक, बोधि ट्री मल्टीमीडिया लिमिटेड , जिसने टीवी और डिजिटल दुनिया में कई हिट शो दिए हैं, ने क्यू2 एफवाय26 और एच1 एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम जारी कर दिए हैं। बोधि ट्री मल्टीमीडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री मौतिक तोलिया ने कहा- इस तिमाही में हमारी मजबूत वृद्धि का सिलसिला जारी रहा है। यह हमारी क्रिएटिव टीम की क्षमता और ब्रॉडकास्टर्स व ओटीटी पार्टनर्स के हमारे प्रति बढ़ते विश्वास का स्पष्ट संकेत है। ‘चष्ट॥ के साथ हमारी हालिया साझेदारी ने उद्योग में हमारी स्थिति को और सुदृढ़ किया है और प्रीमियम कहानी कहने के लिए एक बड़ा कैनवास उपलब्ध कराया है। कुछ क्षेत्रों में आधार थोड़ा नरम रहने के बावजूद, बेहतर दक्षता और बेहतर निष्पादन के कारण हमारा समग्र प्रदर्शन सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

चंदन हेल्थकेयर का एच1 एफवाय26 में 137 राजस्व, 16 शुद्ध लाभ

लखनऊ, एजेंसी। चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड उत्तर भारत के डायग्नोस्टिक्स क्षेत्र में सशक्त और अग्रणी कंपनियों में से एक, ने एच1 एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम की घोषणा की है। चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड के प्रमोटर और प्रबंध निदेशक श्री अमर सिंह ने कहा- एच1 एफवाय26 ने मजबूत वृद्धि का दौर दर्शाया, जिसमें राजस्व 23.38 प्रतिशत बढ़कर 137 करोड़ हो गया और लाभप्रदता भी मजबूत बनी रही। यह प्रदर्शन लगातार वॉल्यूम वृद्धि, बेहतर व्यवसाय मिश्रण और शिस्तबद्ध लागत प्रबंधन से समर्थित रहा। विस्तार की गति और बढ़ती डायग्नोस्टिक वॉल्यूम ने मार्जिन और समग्र वित्तीय प्रदर्शन को और मजबूत किया। साल की पहली छमाही में, हमने पटना, लखनऊ और अयोध्या जैसे शहरों में नए अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक केंद्र खोले और अपने चंदन मेडिकल सेंटर नेटवर्क का विस्तार जारी रखा, जिससे अधिक समुदायों तक पहुँच संभव हुई।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 42 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.92 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे टूटकर 90.11 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.95 पर खुला था। यह पिछले बंद भाव 89.87 के मुकाबले कमजोरी दर्शाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में जोखिम से बचने की भावना और आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग ने रुपये को कमजोर किया। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजारों में नरमी और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी भी गिरावट के लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। निवेशक अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। अगर सकारात्मक संकेत मिले, तो आने वाले दिनों में रुपये को मजबूती मिल सकती है। फिलहाल, बाजार में रुपये पर दबाव बना हुआ है।

एफएआई सेमिनार 2025 में इंटीग्रेटेड न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट होगा केंद्र बिंदु

भारत की जलवायु स्मार्ट खेती की प्रगति को मिलेगी गति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई 10 से 12 दिसंबर तक अपना वार्षिक सेमिनार 2025 नई दिल्ली में आयोजित करेगी। इसका उद्घाटन माननीय केमिकल्स एवं फ़र्टिलाइज़र्स तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा किया जाएगा। 'हरे भविष्य के लिए उर्वरक प्रबंधन- किसानों के सशक्तिकरण को गति' विषय पर आधारित यह सेमिनार उर्वरक उद्योग के लिए एक वैश्विक मंच होगा, जहाँ प्रमुख नीतिनिर्माता, वैज्ञानिक और उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ एक साथ मिलकर सस्टेनेबल नुट्रिएंट मैनेजमेंट और किसान-केंद्रित विकास के अगले चरण पर चर्चा करेंगे।

इस कार्यक्रम में माननीय राज्य मंत्री सुश्री अनुप्रिया पटेल और उर्वरक विभाग के सचिव श्री रजत कुमार मिश्रा भी शामिल होंगे। इनके साथ ही तकनीकी प्रदाता, पर्यावरण विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि और किसान प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में चार तकनीकी सत्रों और सोलह प्रस्तुतियों के दौरान भारत और विदेश से आए प्रतिनिधि उर्वरक नीति, पोषक तत्व दक्षता, हरित उत्पादन के नए तरीकों और नवाचारों पर विचार-विमर्श करेंगे। इस कार्यक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एफएआई के चेयरमैन और कोरोमंडल इंटरनेशनल के एमडी एवं सीईओ, श्री एस. शंकरसुब्रमण्यम ने कहा, जब भारत खाद्य सुरक्षा को मज़बूत करने के साथ-साथ सतत विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है, ऐसे समय में उर्वरक क्षेत्र एक बड़े बदलाव के मोड़ पर खड़ा है। एफएआई का वार्षिक सेमिनार संवाद और ज्ञान-साझा करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है, ताकि हरित और बेहतर पोषक प्रबंधन की दिशा तय की जा सके। उर्वरक उद्योग संसाधनों का बेहतर उपयोग करके और संतुलित पोषण को बढ़ावा देकर नवाचार और सस्टेनेबिलिटी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, यह उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। हम अपने लक्ष्यों को देश की कृषि जरूरतों के अनुरूप रखते हुए विकास, मजबूती और लंबे समय की खाद्य सुरक्षा को आगे बढ़ाते रहेंगे। भारत का उर्वरक उद्योग देश की खाद्य सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। वर्ष 2024-25 में घरेलू उत्पादन 51 मिलियन टन तक पहुँच गया है, जो दस साल पहले 38 मिलियन टन था। देश में 150 से अधिक कंपनियाँ कुल पोषक तत्वों की आवश्यकता का लगभग तीन-चौथाई पूरी करती हैं, जबकि शेष भाग आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। नई तकनीकों को अपनाकर- जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन अमोनिया जैसी पहलें शामिल हैं-वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी पकड़ मजबूत की है। भारत में 14 करोड़ से अधिक किसान परिवार उर्वरक का उपयोग करते हैं, और देश की उर्वरक खपत लगभग 70 मिलियन टन है, जो चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। सिंचाई का दायरा बढ़ने, किसानों का अधिक मूल्य वाले फसलों की ओर रुझान बढ़ने और मिट्टी के स्वास्थ्य पर ज़्यादा ध्यान देने से पोषक तत्वों की मांग लगातार बढ़ रही है।

लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड- रेनालिक्स को मिला क्लास सी विश्व की पहली एआई आधारित स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीन बनाने का लाइसेंस

मुंबई, एजेंसी। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने भारत के मेड-टेक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन से क्लास ष्ट श्रेणी की विश्व की पहली एआई-आधारित स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीनें बनाने का लाइसेंस मिला है। यह एक अहम कदम है जो जीवन बचाने वाली हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी में देश की आत्मनिर्भरता को मज़बूत करता है।

यह उपलब्धि और भी ऐतिहासिक हो जाती है क्योंकि लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड- रेनालिक्स को अब विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सीई मार्किंग भी मिल गई है, जिससे यह डायलिसिस सिस्टम के लिए यह सर्टिफिकेशन पाने वाला दुनिया भर में सिर्फ़ छठा ब्रांड बन गया है। सीई मार्किंग यह पक्का करती है कि प्रोडक्ट यूरोपियन यूनियन के स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा के उच्चतम मानकों को पूरा करता है, जिससे पूरे यूरोपियन इकोनॉमिक एरिया में कानूनी तौर पर इसकी पहुँच संभव हो जाती है।

क्लास ष्ट वर्ल्ड की पहली एआई-बेस्ड स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीन बनाने का लाइसेंस मिलना भारत के मेड-टेक सिस्टम में सबसे मुश्किल रेगुलेटरी उपलब्धियों में से एक है। क्लास ष्ट डिवाइस हाई-रिस्क, जीवन बचाने वाली कैटेगरी में आते हैं, जिसका मतलब है कि इंजीनियरिंग या प्रोसेस में थोड़ी सी भी गड़बड़ी सीधे मरीज़ की जान पर असर डाल सकती है। यह लाइसेंस पाने के लिए, कंपनियों को लगभग 140 से ज़्यादा क्वालिटी, सेफ्टी और रिस्क-मैनेजमेंट पैरामीटर पर पूरी तरह से कम्प्लायंस दिखाना होता है, जिसमें बायो-कम्पैटिबिलिटी प्रूफ, इलेक्ट्रोमैकेनिकल सेफ्टी वैलिडेशन, स्टेरिलिटी एश्योरेंस, हर कंपोनेंट की ट्रेसिबिलिटी, सख्त डॉक्यूमेंटेशन और मल्टी-स्टेज प्लांट ऑडिट शामिल हैं। बहुत कम मैन्युफैक्चरर इस कैटेगरी में कोशिश करते हैं क्योंकि अप्रूवल का स्टैंडर्ड ग्लोबल रेगुलेटरी स्टैंडर्ड के बराबर है। इसलिए यह सर्टिफिकेशन बहुत ज़रूरी है- यह वह ऑफिशियल ऑथराइजेशन है जो लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड को देश में ही एडवांस्ड रीनल-केयर इक्विपमेंट बनाने, इम्पोर्टेड मशीनों पर देश की निर्भरता कम करने और यह पक्का करने की अनुमति देता है कि भारत का डायलिसिस इंफ्रास्ट्रक्चर ग्लोबल स्टैंडर्ड वाली, पूरी तरह से कम्प्लायंट, जीवन बचाने वाली टेक्नोलॉजी से सपोर्टेड हो।

पोको ने लॉन्च किया सी85 5जी: 12के सेगमेंट में लेकर स्टाइला, परफॉर्मेंस और सबसे बढ़िया बैटरी का अनुभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रमुख कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने अपना नया स्मार्टफोन पोको सी85 5जी लॉन्च किया है। इसी के साथ पोको बजट स्मार्टफोन सेगमेंट को एक बार फिर से धमाल मचाने के लिए तैयार है। यह स्मार्टफोन भारत के डायनैमिक युवाओं के लिए बनाया गया है, जिन्हें बाहर रहते हुए भी हमेशा भरोसेमंद साथ चाहिए। यह फ़ोन जबरदस्त बैटरी बैकअप और शानदार लुक के साथ 12 हजार रुपये से कम कीमत वाले सेगमेंट में बेहतरीन वैल्यू देता है।

जबर्दस्त बैटरी अनुभव के लिए तैयार पोको सी85 5जी में 6000एमएएच की बैटरी है जो दो दिनों से अधिक की पावर प्रदान करती है। 33वाट फ़ास्ट चार्जिंग के साथ, आप लगभग 28 मिनट में 50 प्रतिशत चार्ज प्राप्त कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि आप कभी स्लो ना हों। वहीं, 10वाट वायर्ड रिवर्स चार्जिंग डिवाइस को मोबाइल, टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स, स्मार्टवॉच और अन्य एक्सेसरीज़ के लिए एक पोर्टेबल पावर बैंक के रूप में भी काम करने की सुविधा देता है।

भारत की हमेशा चलती-फिरती लाइफस्टाइल के लिए यह स्मार्टफोन एक स्लीक, आधुनिक डिज़ाइन और एक क्वाड-कर्व्ड बैक, एक स्लिम 7.99एमएम प्रोफ़ाइल के साथ आता है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 51 रनों से हराया

टी-20 सीरीज

- **दक्षिण अफ्रीका पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली**

मुल्लांपुर, एजेंसी। क्विंटन डी कॉक (90) अर्द्धशतकीय और डॉनोवन फरेरा (30) की आखिरी ओवरों में विस्फोटक पारी के बाद ऑटनील बार्टमैन (चार विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत को 51 रनों से हरा कर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली।

214 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में शुभमन गिल (शून्य) का विकेट गंवा दिया। अगले ही ओवर में मार्को यानसन ने अभिषेक शर्मा (17) को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव (पांच) भी को यानसन ने अपना शिकार बनाया। भारत का चौथा विकेट अक्षर पटेल (21) के रूप में गिरा। इसके बाद करने आये हार्दिक पंड्या ने तिलक वर्मा के साथ पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 51 रन जोड़े। 15वें ओवर लुथो सिपामला ने हार्दिक पंड्या (20) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। जितेश शर्मा 17 गेंदों में 27 रनों की पारी खेली। उन्होंने इसी पारी में दो चौके और दो छक्के भी लगाये। 19वें ओवर में बार्टमैन ने शिवम दुबे (एक) और उसके बाद अर्शदीप सिंह (चार) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर बार्टमैन ने अपना चौथा शिकार वरुण चक्रवर्ती को बना लिया। 20वें ओवर की पहली गेंद पर लुंगी एन्गिडी ने तिलक वर्मा को आउट भारत की पारी का 163 के स्कोर पर अंत कर दिया। तिलक वर्मा ने 34 गेंदों में पांच छक्के और दो चौके लगाते हुए 62 रनों की पारी। भारत ने अपने आखिरी पांच विकेट मात्र पांच रन जोड़कर गंवा दिये।

दक्षिण अफ्रीका के लिए ऑटनील बार्टमैन ने चार विकेट लिये। लुंगी एन्गिडी, मार्को यानसन और लुथो सिपामला को दो-दो विकेट मिले।

इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 213 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए क्विंटन डी कॉक और रीजा हेंड्रिक्स की जोड़ी ने पहले विकेट लिए 38 रन जोड़े। पांचवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने रीजा हेंड्रिक्स (आठ) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान एडन मारक्रम ने क्विंटन डी कॉक के साथ 83 रनों की साझेदारी की। 12वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने एडन मारक्रम (29) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। 16वें ओवर में जितेश ने चपलता दिखाते हुए शतक की ओर बढ़ रहे क्विंटन डी कॉक को रनआउट कर पवेलियन भेज दिया। क्विंटन डी कॉक ने सात छक्के और पांच चौके लगाते हुए 90 रनों की पारी खेली। डेवाल ब्रेविस (14) को अक्षर पटेल ने चौथे विकेट के रूप में आउट किया।

दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 213 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। डॉनोवन फरेरा 16 गेंदों में (30) और डेविड मिलर 12 गेंदों (20) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती ने दो विकेट लिये। अक्षर पटेल ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

क्विंटन डिकॉक शतक से चूक गए

साउथ अफ्रीका की टीम के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के बल्ले ने न्यू चंडीगढ़ में आग उगली। पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के दूसरे मुकाबले में क्विंटन डिकॉक शतक से चूक गए। हालांकि, उन्होंने एक कमाल का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। क्विंटन डिकॉक भारत के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 5 बार फिफ्टी प्लस रन की पारी खेलने वाले पहले साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर बन गए हैं। दुनिया के सिर्फ 3 ही बल्लेबाज ऐसा अब तक कर पाए हैं, जिनमें एक अब क्विंटन डिकॉक का नाम शामिल है। क्विंटन डिकॉक ने 46 गेंदों में 90 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। 5 चौके और 7 छक्के अपनी इस 195.65 के स्ट्राइक रेट वाली पारी में जड़े। डिकॉक महज 10 रन से अपना दूसरा टी20 आई शतक बनाने से चूके, लेकिन पहले साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर बन गए, जिनके 5 अर्धशतक भारत के खिलाफ हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के जोस बटलर और वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन ने भारत के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 5 बार फिफ्टी प्लस रन का स्कोर किया है। इसके अलावा साउथ अफ्रीका के लिए डिकॉक भारत के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में तीसरी सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भी बल्लेबाज बन गए हैं। T20I क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के लिए भारत के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर 106 रन नाबाद डेविड मिलर का है, जो उन्होंने 2022 में गुवाहाटी में बनाया था। नाबाद 100 रन राइली रोसौ ने उसी साल इंदौर में भारत के खिलाफ बनाए थे। अब 90 रनों के साथ क्विंटन डिकॉक तीसरे नंबर पर आ गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कुछ ही समय पहले इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की है। वे रिटायरमेंट ले चुके थे, लेकिन अब फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। इसके अलावा अच्छी खबर उनके लिए ये है कि आईपीएल 2026 के ऑक्शन से पहले क्विंटन डिकॉक ने कमाल की पारी खेली है, जिसका फायदा उनको 16 दिसंबर को होने वाली नीलामी में मिल सकता है।

संक्षिप्त

मैनचेस्टर सिटी से हारा रियाल मैड्रिड, आर्सेनल जीता, पीएसजी ने ड्रॉ खेला

मैनचेस्टर, एजेंसी। रियाल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सिटी से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा जिससे उसके कोच ज़ाबी अलोंसो के भविष्य को लेकर सवाल उठने लग गए हैं।

आर्सेनल ने क्लब ब्रुग के खिलाफ 3-0 की जीत से अपना अजेय अभियान जारी रखा और वह अंक तालिका में तीन अंकों की बढ़त बनाए हुए है। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रॉ खेला। रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच बुधवार को हुआ मुकाबला इस राउंड का सबसे चर्चित मैच था। इस सप्ताह के शुरू में खबरें आई थी कि अलोंसो का पद खतरे में है और अब एक और हार के बाद उनकी स्थिति को लेकर अटकलें और तेज होने की संभावना है। रियाल मैड्रिड ने अब तक आठ मैचों में सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच के बाद आपस में भिड़े खिलाड़ी, जांच शुरू

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) और पाकिस्तान ओलंपिक संघ कराची में पाकिस्तान आर्मी और वाप्डा टीम के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच के बाद खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने की घटना की जांच कर रहे हैं, जिसमें कई खिलाड़ी और अधिकारी घायल हो गए थे। केपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी बीच में कूद पड़े। वे एक-दूसरे को मुक्के और लात मार रहे थे। मैच का सीधा प्रसारण होने के दौरान ही इस घटना के दृश्य कैमरे में कैद हो गए और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिसके बाद कई लोगों ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

राजगीर की खेल अकादमी को एएचएफ और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा

पटना, एजेंसी। राजगीर स्थित बिहार राज्य खेल अकादमी को एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) अकादमी और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्रदान की गई है जो बिहार के खेल क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष तैयब खान ने बुधवार को चेन्नई में जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल मैच के बाद आयोजित एक विशेष समारोह में बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह को प्रदान किया। इस दौरान हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण भी उपस्थित थे।

टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हुईं ईडन कार्सन

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को तगड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड की ऑफ-स्पिनर ईडन कार्सन महिला विश्व कप से बाहर हो गई हैं। ईडन कार्सन की कोहनी का ऑपरेशन होना है। इस वजह से वह लगभग 6 महीने क्रिकेट के मैदान से दूर रहेंगी। ऐसे में वह टी20 विश्व कप में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगी। विश्व कप का आयोजन 12 जून से 5 जुलाई 2026 तक इंग्लैंड में होना है। कार्सन महिला विश्व कप 2025 से पहले ही इंजर्ड हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने भारत और श्रीलंका में आयोजित विश्व कप में हिस्सा लिया था। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच बेन सॉयर ने कहा, "कार्सन महज 24 साल की है। उसका करियर अभी लंबा है।

क्रिकेट से ज्यादा मुझे किसी और चीज से प्यार नहीं: स्मृति मंधाना

प्रतिक्रिया

- **लोग हमारे बारे में मैदान पर चल रही चीजों को देखकर धारणा बनाते हैं, लेकिन मैं इस पर विश्वास नहीं करती**

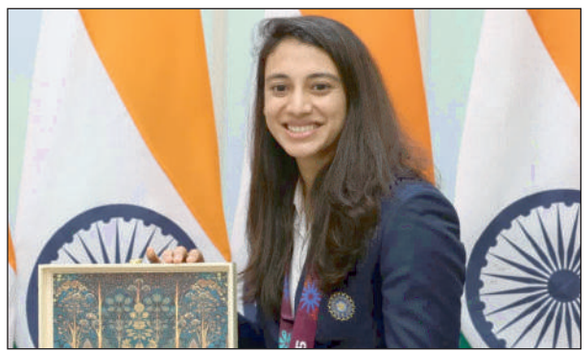

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना अपनी शादी स्थगित होने के बाद पहली बार सार्वजनिक मंच पर नजर आईं। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान मंधाना कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ मौजूद थीं। इस दौरान मंधाना ने कहा कि क्रिकेट से ज्यादा अहमियत वह अपनी जिंदगी में किसी भी दूसरी चीज को नहीं देतीं। बस गेंद देखना है और मारना है।

स्मृति मंधाना ने कहा, "मैं हमेशा से एक साधारण इंसान रही हूं। किसी चीज को लेकर मैंने अपनी जिंदगी को कभी मुश्किल नहीं बनाया है। लोग हमारे बारे में मैदान पर चल रही चीजों को देखकर धारणा बनाते हैं, लेकिन मैं इस पर विश्वास नहीं करती। कैमरे के पीछे हम जो मेहनत करते हैं, वह मेरे लिए ज्यादा मायने रखता है। मैं किसी चीज को लेकर अच्छा या बुरा महसूस कर सकती हूं, लेकिन हम जो भी तैयारी करते हैं, मैदान पर वह परिणाम के रूप में दिखता है। पिछले 2 साल में हमने इसी धारणा के आधार पर क्रिकेट खेला है और आगे भी यही योजना है। इसी आधार पर हमें परिणाम भी मिले हैं।"

उन्होंने कहा, "मुझे क्रिकेट से ज्यादा किसी और चीज से प्यार नहीं है। जब आप फील्ड पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए जाते हैं, तो इससे ज्यादा अहम कुछ भी नहीं हो सकता। आप सिर्फ भारत के लिए मैच जीतना चाहते हैं। जब हम भारतीय टीम की जर्सी पहनते हैं, तो अपनी हर समस्या को भूल जाते हैं। आप करोड़ों में से एक हैं, जो देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह विचार आपका ध्यान क्रिकेट पर केंद्रित करने के लिए काफी है।"

मैच के दौरान होने वाली समस्याओं और उसके समाधान के लिए खिलाड़ियों के अलग-अलग सुझाव से जुड़ी समस्या पर मंधाना ने कहा, "मैं निजी तौर पर इसे परेशानी नहीं मानती। सभी देश के लिए मैच जीतना चाहते हैं। सभी की अपनी राय होती है कि हम देश के लिए गेम कैसे जीतेंगे। इस दौरान हमारे बीच बहस बल्कि चर्चा होती है। अगर हम चर्चा नहीं कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि हममें टीम के लिए मैच जीतने का जज्बा नहीं है।"

मंधाना की शादी गायक और संगीतकार पलाश मुच्छल के साथ 23 नवंबर को होने वाली थी, जो स्थगित हो गई। दोनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से रिश्ता खत्म होने और निजी जीवन में आगे बढ़ने की जानकारी दी है।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर19 विश्व कप टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ी शामिल

मेलबर्न, एजेंसी। भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से छह फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी।

भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं।

ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, ''आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खोली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।

मिच हे ने दिलाई न्यूजीलैंड को वेस्टइंडीज पर पहली पारी में बढ़त

वेलिंगटन, एजेंसी। मिच हे ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर अपनी पहली पारी में ही 61 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में 73 रन की बढ़त हासिल की।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के 205 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 278 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 32 रन बनाए हैं और वह अभी न्यूजीलैंड से 41 रन पीछे है। स्टंप उखड़ने के समय ब्रैंडन किंग 15 और केवम हॉज तीन रन पर खेल रहे थे। माइकल रे ने जॉन कैंपबेल (14) को बोल्ड किया जबकि जैकब डफी ने नाइटवॉचमैन एंडरसन फिलिप (00) को एलबीडब्ल्यू आउट किया। सात एकदिवसीय और 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके विकेटकीपर बल्लेबाज मिच हे को चोटिल टॉम ब्लंडेल के स्थान पर टेस्ट क्रिकेट में मौका दिया गया। उन्होंने अपने चयन को सही साबित किया तथा 93 गेंदों का सामना करके नौ चौके और एक छक्का लगाया। न्यूजीलैंड ने सुबह अपनी पहली पारी बिना किसी नुकसान के 24 रन से आगे बढ़ाई। कप्तान टॉम लैथम (11) ज्यादा देर तक नहीं टिक पाए लेकिन उनके सलामी जोड़ीदार डेवोन कॉनवे ने 60 रन की उपयोगी पारी खेली।

चोटिल टिकनर दूसरे टेस्ट नहीं करेंगे गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड को एक और बड़ा झटका लगा है उसके तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर कंधे की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाकी बचे मैच में गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण से बाहर हो गए हैं। बेसिन रिजर्व में पहले दिन क्षेत्ररक्षण के दौरान उनका कंधा जाम हो गया था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, 32 वर्षीय टिकनर बाउंड्री रोकने के लिए डाइव लगाते समय घायल हो गए और उन्हें स्ट्रेचर पर ले इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

न्यूजीलैंड ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, "ब्लैक कैप्स के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर वेलिंगटन में दूसरे टेस्ट के बाकी बचे मैच में गेंदबाजी या क्षेत्ररक्षण नहीं करेंगे, और उनके बल्लेबाजी करने की भी संभावना नहीं है, क्योंकि पहले दिन बाउंड्री रोकने के लिए डाइव लगाते समय उनका कंधा डिसलोकेट हो गया था। टिकनर, जिन्हें कल रात इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था, आज मैदान पर टीम के साथ जुड़ेंगे क्योंकि वह खेलने के लिए अपनी वापसी का समय तय करने के लिए आगे विशेषज्ञ मूल्यांकन का इंतजार कर रहे हैं। चोट से पहले, टिकनर ने वेस्टइंडीज को 205 रन पर रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उन्होंने पहले दिन की शानदार गेंदबाजी में चार विकेट लिए थे। न्यूजीलैंड ने गुरुवार को अपनी पहली पारी 24/0 से शुरू की, और महत्वपूर्ण आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैच में मजबूत बढ़त बनाने पर नजर थी। यह चोट इस सीरीज में न्यूजीलैंड की बढ़ती फिटनेस चिंताओं को और बढ़ा देती है, जिसमें तेज गेंदबाज मैट हेनरी और नाथन स्मिथ पहले ही बाहर हो चुके हैं।

कुश्ती

रवि को सबसे पहले बड़ी पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली

चांदी पर बैठना पसंद नहीं, मेरा लक्ष्य सोना: रवि दहिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रवि कुमार दहिया भारतीय कुश्ती का ऐसा नाम है जिनसे भविष्य में देश को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद है।

रवि दहिया के नाम से मशहूर इस पहलवान का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के नहरी में 12 दिसंबर 1997 को हुआ था। हरियाणा को भारतीय कुश्ती का केंद्र माना जाता है। रवि को अपने प्रदेश के साथ ही कुश्ती का प्रभाव अपने घर में भी देखने को मिला। रवि के पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनकी मां ऊर्मिला देवी और चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने अथक परिश्रम से सफल और समृद्ध बनाया है।

रवि ने महज 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर आते थे। यह प्रक्रिया तब तक जारी थी। रवि के एक बड़े पहलवान के रूप में लोकप्रिय होने तक यह प्रक्रिया जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है।

सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी। सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त जैसे पहलवानों ने सतपाल सिंह से ही प्रशिक्षण लिया था और आगे चलकर ओलंपिक पदक विजेता बने। ओलंपिक पदक विजेताओं में रवि दहिया का नाम भी शामिल है।

रवि को सबसे पहले बड़ी पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप के बादशाह हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते थे।

दहिया के जीवन का सबसे बड़ा क्षण टोक्यो ओलंपिक था। 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीत वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। हालांकि फाइनल में मिली हार से रवि खुश नहीं थे। उन्होंने कहा था, 'मैं चांदी पर नहीं बैठ सकता। सोना ही मेरा लक्ष्य है।' टोक्यो ओलंपिक के बाद 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में रवि दहिया ने स्वर्ण पदक जीता।

2024 में पेरिस में हुए ओलंपिक में जगह बनाने में सफल नहीं रहे रवि अब अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। फ्रीस्टाइल कुश्ती के इस धाकड़ पहलवान से देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। भारत सरकार रवि दहिया को पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित कर चुकी है।

वनडे क्रिकेट पीछे छूट जाएगा, टी20 से कमाई होगी, टेस्ट सबसे अहम: जेम्स नीशम

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 (आईएलटी20) में दुबई कैपिटल्स के लिए खेल रहे न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर जेम्स नीशम ने कहा है कि आने वाले दिनों में वनडे फॉर्मेट अन्य दो फॉर्मेट के मुकाबले काफी पीछे छूट जाएगा।

तेज गेंदबाजों के लिए क्रिकेट का आने वाला भविष्य कैसा रहेगा? इस सवाल का जवाब देते हुए जेम्स नीशम ने कहा, "क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। तेज गेंदबाजों को अब पहले ही तय करना होगा कि वह किस फॉर्मेट में खेलना चाहते हैं। उसी के मुताबिक उन्हें तैयारी करनी होगी। मुझे नहीं लगता है कि तेज गेंदबाज तीनों फॉर्मेट खेल सकते हैं।

क्रिकेट के तीनों प्रारूपों के भविष्य पर नीशम ने कहा, "मुझे लगता है कि वनडे क्रिकेट वह फॉर्मेट है जो पीछे छूट जाएगा, टेस्ट क्रिकेट खेल का सबसे कीमती फॉर्मेट होगा, और टी20 सबसे ज्यादा कमाई वाला फॉर्मेट होगा।"

जेम्स नीशम न्यूजीलैंड के उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनकी मांग आईपीएल सहित दुनियाभर की क्रिकेट लीग में है। अपनी तूफानी बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर नीशम टी20 फॉर्मेट के अहम खिलाड़ी माने जाते हैं।

न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट खेलने वाले नीशम ने 2017 के बाद से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेली है।

तान्या मित्तल ने बिग बॉस 19 के अपने सफर के बारे में खुलकर बात की

बिग बॉस 19 के पांच फाइनलिस्ट में से तान्या मित्तल एक थीं। वह फिनाले में बाहर हुईं। उन्होंने रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की है। तान्या ने कहा कि वह अक्सर घर में बहुत अकेला और तन्हा महसूस करती थीं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें दोस्ती करने में बहुत मुश्किल होती थी। आइए जानते हैं तान्या मित्तल ने शो के बारे में और क्या कहा है?

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए तान्या मित्तल ने बताया कि कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ अच्छा रिश्ता था लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब हमारे रिश्ते में तनाव आ गया। उन्होंने कहा, नीलम ने एक समय मुझसे सवाल पूछा कि क्या तुम झूठ बोलती हो? वह गुस्से में थीं और मुझ पर चिल्लाई थीं।

कल्पू काका से है दोस्ती

उन्होंने बताया मैंने एक पेड़ से दोस्ती की, जिसका नाम कल्पू काका है। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ एक ही दोस्त बना सकती हूं, और वो हैं कल्पू काका। बिग बॉस ने मुझे वो पेड़ लाने नहीं दिया। अगर मेरे दोस्त मेरे साथ होते, तो मुझे चीजों से बात नहीं करनी पड़ती। मुझे घर में बहुत अकेलापन और तन्हापन महसूस होता था। मुझे घर में बहुत खोया हुआ महसूस होता था। मैंने कभी झूठ नहीं बोला।

हार नहीं मानती तान्या मित्तल

शो में उनके सबसे खुशी के पल के बारे में पूछे जाने पर, तान्या ने कहा, मैं शो में बहुत रोई हूं, मैं आपको बता नहीं सकती कि किस पल ने मुझे बहुत खुश किया। हर दिन एक नया चैलेंज होता था, मुझसे वो सब करने को कहा जाता था जो मैं करती आई हूं। उन्होंने आगे कहा मेरी सबसे बड़ी खूबी यह है कि चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे मैं कितनी भी टूटी हुई क्यों न होऊं, मैं हार नहीं मानती।

आपको बता दें कि बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद, एक्टर गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 की ट्रॉफी जीती। बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में गौरव खन्ना का मुकाबला टॉप फाइनलिस्ट फरहाना भट्ट से हुआ, वह फर्स्ट रनर-अप रहीं। कंटेस्टेंट तान्या मित्तल, अमाल मलिक और प्रणित मोरे भी टॉप पांच में शामिल थे। गौरव खन्ना को विनर ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की प्राइज मनी दी गई।

तमिल फिल्म वा वाथियार में स्पिरिट रीडर का किरदार निभा रही हैं कृति शेट्टी

अभिनेत्री कृति शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली तमिल फिल्म वा वाथियार को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका किरदार एक स्पिरिट रीडर का है। इस बीच उन्होंने असल जिंदगी में कुछ ऐसा महसूस किया। कृति ने खुलासा किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक एक रात पहले उनके होटल के कमरे में उन्हें एक आत्मा दिखाई दी। इस घटना ने न सिर्फ उन्हें झकझोर दिया, बल्कि उनके किरदार के प्रति विश्वास भी मजबूत कर दिया। कृति ने कहा, मैं निर्देशक नलन कुमारस्वामी की इस फिल्म में एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जो आत्माओं से बात करती है और जो दूसरे लोगों की तुलना में भावनाओं और ऊर्जा को अधिक गहराई से महसूस करती है। सिनेमा में ऐसे किरदार आमतौर पर कम ही देखने को मिलते हैं, खासकर भारतीय फिल्मों में, इसलिए यह मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग अनुभव था। जब मैं इस किरदार की तैयारी कर रही थी, तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि वास्तविक जिंदगी में भी कुछ ऐसा घट सकता है।

कृति ने कहा, मैं बचपन से ही मानती हूं कि आत्माएं होती हैं। मैं तुलु समुदाय से आती हूं, जहां पूर्वजों की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हमारे पूर्वज हमेशा हमारे आसपास होते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आत्माओं की अवधारणा से कुछ हद तक परिचित हूं, लेकिन शूटिंग से पहले का अनुभव मेरे लिए बेहद विचलित कर देने वाला था। उन्होंने बताया, शूटिंग के लिए मैं और टीम एक होटल में रुके हुए थे, उसी रात मुझे किसी आकृति का एहसास हुआ। मैंने पूरा चेहरा नहीं देखा, लेकिन एक साफ-साफ छाया

जैसी आकृति मैंने महसूस की थी। उसी पल जब मैंने लाइट ऑन की, तो अचानक तेज आवाज हुई। उस समय मेरी मां भी साथ थीं। हम दोनों ने महसूस किया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। यह अनुभव इतना वास्तविक था कि इसे भ्रम या कल्पना माना ही नहीं जा सकता। कृति ने कहा, इस फिल्म में स्पिरिट रीडर का किरदार निभाते समय मुझे खुद भी लगता था कि शायद दर्शकों को ऐसी बातें अविश्वसनीय लगेंगी। लेकिन जैसे ही ये घटना घटी, मुझे लगा जैसे कोई मेरे इस किरदार में पूरी तरह ढलने के लिए संकेत दे रहा हो। फिल्म वा वाथियार में कृति के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं।

रात अकेली... में चुनौतियां पैदा करता दिखेगा चित्रांगदा सिंह का किरदार

नेटफ्लिक्स की सफल थ्रिलर फिल्म रात अकेली है का दूसरा पार्ट 5 साल बाद आ रहा है। इस सीक्वल की राइटर स्मिता सिंह ने बताया कि कैसे एक ओपन एंड शट हत्याकांड ने उन्हें दोबारा लिखने के लिए प्रेरित किया और कैसे इस बार इंस्पेक्टर जटिल यादव के रूप में नवाजुद्दीन का किरदार सामाजिक साजिश का सामना करेगा, वह गढ़ना था। बकौल स्मिता... पहले पार्ट में कहानी एक बंद घर और सीमित माहौल के अंदर हुई हत्या पर थी, जबकि इस नए पार्ट में हत्या पूरे देश के सामने जाहिर है। अपराध के हर पहलू के साथ यह पब्लिक केस है लेकिन फिर भी इसके अंदर एक बड़ी साजिश छिपी हुई है, जिसे सिर्फ जटिल यादव ही समझ सकता है। स्मिता ने इस बात पर भी जोर दिया कि दूसरा पार्ट आर्टिकल 15 जैसे सोशल कॉमेंट्री वाले मिजाज में है। जहां पहला पार्ट स्मॉल टाउन हत्याकांड का अनुभव देता था, वहीं दूसरा पार्ट पूरे देश की नजरों के सामने ओपन एंड शट केस पेश करता है, जिसे देखना और समझना दोनों ही दर्शकों के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होगा। खास बात है कि इसमें दुनिया जिसको हत्यारा मान रही है, वह जटिल यादव की नजरों में वह नहीं है। अब इस बार दांव बड़ा है, जो हो रहा है, ऐसा लग रहा है कि सबको पहले से पता है। नवाज के किरदार जटिल को मारधाड़ में यकीन कम पिहले पार्ट में जटिल का किरदार रूखा और गंभीर था लेकिन अब उसके जीवन में प्यार आने के कारण वह अधिक पॉजिटिव नजर आता है।

बावजूद इसके उसकी इंसिक्योरिटी और प्रोफेशनल फ्रस्ट्रेशन अब भी मौजूद हैं। कहानी में चित्रांगदा का किरदार जटिल यानि नवाज के लिए चुनौतीपूर्ण और ट्रैजिक है जो उस क्लास को दिखाता है जिसे लगता है कि उनके सामने पूरी दुनिया ही नहीं है। चित्रांगदा का कैरेक्टर बहुत कॉम्प्लेक्स और ट्रैजिक है।

रजनीकांत स्टारर जेलर 2 में कैमियो कर सकते हैं शाहरुख

रजनीकांत की आगामी फिल्म जेलर 2 को लेकर बड़ा बज सोशल मीडिया पर बना हुआ है। चर्चा है कि शाहरुख खान इसमें स्पेशल कैमियो करते नजर आ सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म का स्केल बढ़ाने के लिए एक बड़े हिंदी सुपरस्टार को जोड़ना चाहते हैं और शाहरुख का नाम टॉप पर है। दावा है कि शाहरुख के हिस्से की शूटिंग के लिए मार्च 2026 की विंडो तय की गई है, हालांकि टीम की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं। इससे पहले रजनीकांत की फिल्म कुली में आमिर खान कैमियो कर चुके हैं। फिल्म के निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं, जिन्होंने पहली फिल्म जेलर (2023) को ब्लॉकबस्टर बनाया था। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख को कथित तौर पर कुली में भी एक कैमियो के लिए संपर्क किया गया था। हालांकि, उन्होंने कुछ कारणों से इस ऑफर को ठुकरा दिया था। जिसके बाद आमिर खान को जगह मिली थी। जेलर 2 कथित तौर पर पहली फिल्म की घटनाओं के बाद शुरू होगी, जिसमें मुथुवेल पांडियन का पीछा किया जाता है क्योंकि वो बदला लेने के लिए मूर्ति-तस्करी सिंडिकेट से भिड़ जाता है। कहा जाता है कि सीक्वल इस नए आपराधिक नेटवर्क की खोज को दिखाएगा। अभिषेक बच्चन भी दिखेंगे।

मोहनलाल की एक और फिल्म के रीमेक में दिख सकते हैं अजय

ऑपरेशन जावा और सऊदी वेलक्का जैसी फिल्मों के निर्देशक थरुन मूर्ति इस साल मोहनलाल स्टारर थुदारुम की जबरदस्त सफलता के बाद से सुर्खियों में हैं। फिल्म ने दुनियाभर में 235 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। इसी के बाद निर्देशक को हिंदी और तेलुगु में रीमेक ऑफर्स भी मिलने लगे। थरुन ने बताया कि हिंदी रीमेक के लिए अजय देवगन का नाम गंभीरता से चर्चा में है। अगर हिंदी रीमेक बनता है तो मैं अजय के लिए काफी मेहनत करूंगा, क्योंकि उनका स्टंट बैकग्राउंड कमाल का है। उनके पिता वीरू हिंदी सिनेमा के जाने-माने ऐक्शन डायरेक्टर रहे हैं। थुदारुम में मोहनलाल भी एक पूर्व स्टंटमैन का किरदार निभाते हैं, जो परिवार के साथ सादी जिंदगी बिताते हुए कार-फॉर-हायर सर्विस चलाता है। थरुन ने माना कि बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स की वजह से फिलहाल रीमेक को तुरंत शुरू करना मुश्किल है लेकिन प्रोजेक्ट की चर्चा जारी है और जल्द आधिकारिक ऐलान हो सकता है। इसके अलावा थरुन की टॉरपीडो भी आनी है।

मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं

राम गोपाल वर्मा एक बार फिर से मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म कर रहे हैं। इसका टाइटल पुलिस स्टेशन में भूत है। उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स पर हुई खास बातचीत...

क्या मानते हैं कि हॉरर फिल्मों के लिए अब ऑडियंस चेंज हुई है?

मुझे नहीं लगता कि ऑडियंस चेंज हुई है। रामसे ब्रदर्स ने सफल हॉरर बनाई, फिर आगे चलकर उनकी फिल्मों में काफी ब्लड दिखना शुरू हो गया। वह फिल्में दर्शकों को शायद अच्छी नहीं लगी। मैंने जब रात और डरना मना है या भूत बनाई तो ब्लड के बजाय साइकोलॉजी का प्रयोग किया। वह सब साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्में थीं। मैंने कैमरा एंगल और साउंड इफेक्ट्स की मदद से सीन में हॉरर का माहौल कायम किया।

क्या इसे भूत की स्पिरिचुअल सीक्वल कह सकते हैं?

बिल्कुल नहीं। पुलिस स्टेशन में भूत एक बिल्कुल अलग कहानी है। भूत से उसका कोई नाता नहीं है। इसकी कहानी एक इंस्पेक्टर की है, जो एक गैंगस्टर को मार देता है। अब उस गैंगस्टर की आत्मा उस पुलिस वाले में समा जाती है। ऐसे में, फिर क्या सब होता है, हमारी कहानी उस बारे में है। हम यह भी कहना चाहते हैं कि जब आम इंसान डरता है तो वह पुलिस के पास जाता है। जब पुलिस ही डरे तो क्या होगा।

फिल्म में कितना हेवी वीएफएक्स और कितना रियलिज्म रखा है आपने?

वीएफएक्स है, मगर वह कहानी पर हावी नहीं होती। बाकी मैं हाल के बरसों की हॉरर फिल्में फॉलो करता रहा हूं। मैंने स्त्री, मुंज्या जैसी हॉरर फिल्में देखी हैं। मुझे पसंद भी आई हैं।

सत्या के समय क्या तय कर लिया था कि आम चेहरे वाले किसी युवक को हीरो बनाकर ही दम लेंगे?

मैंने कभी उस पर्सपेक्टिव से फिल्में नहीं बनाई या कलाकारों का चयन हीरो या विलन के तौर पर किया। मैंने हमेशा कहानी, किरदार और हालात के बारे में सोचते हुए उनमें सबसे फिट बैठने वाले कौन कलाकार हो सकते हैं, उससे चीजें तय कीं। उसके ऊपर मैंने कभी यह नहीं सोचा कि मुझे किसी को लॉन्च करना है या किसी को हीरो ही बनाना है। सौभाग्य से तब हमारे प्रोड्यूसर्स भी मेरी बात से सहमति रखा करते थे। इतने वर्षों में शाहरुख के साथ फिल्में क्यों नहीं कीं शाहरुख का जो डिमीनर, कद और आभा है, वह सब बहुत बड़ा है। आम जिंदगी में भी उनसे मिलें तो वे अलग ही लेवल और एनर्जी से लैस महसूस होते हैं लेकिन मेरी फिल्ममेकिंग का स्टाइल कुछ अलग है। मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं। इसलिए मुझे उनके हिसाब की कहानी हो तभी उन्हें अप्रोच करना सही लगता है। बेशक, हमने इतने सालों में चार-पांच बार फिल्म को लेकर मुलाकात की लेकिन स्टोरी डेवलपमेंट के दौरान मुझे लगा कि जो कहानी मैं बनाना चाहता हूं, वह उनके पर जस्टिफाई नहीं करेगी। इसलिए शाहरुख के साथ अभी तक कोई प्रोजेक्ट नहीं हुआ। वहीं अमिताभ बच्चन सर के साथ मामला अलग रहा। उन्होंने मेरी सत्या देखी थी और बाद में कंपनी भी देखी। मैं खुद उनकी दीवार और जंजीर जैसी फिल्मों से इंस्पायर्ड रहा हूं। इन चीजों की वजह से हमारी आपसी बॉन्डिंग गहरी हुई। जब काम करने का मौका आया, तो अनुभव बेहद सकारात्मक रहा और अब हम दोनों आगे और भी स्क्रिप्ट्स पर बातचीत कर रहे हैं।

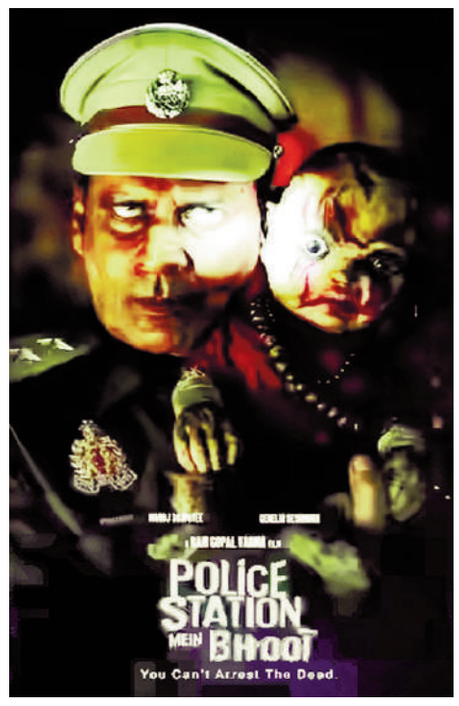

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401